डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

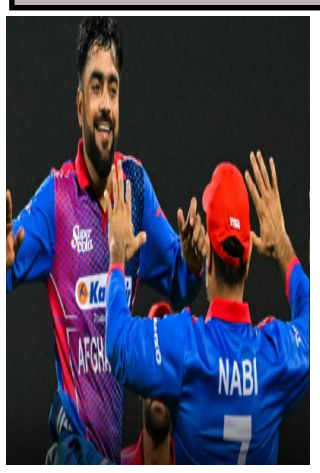

PG-5

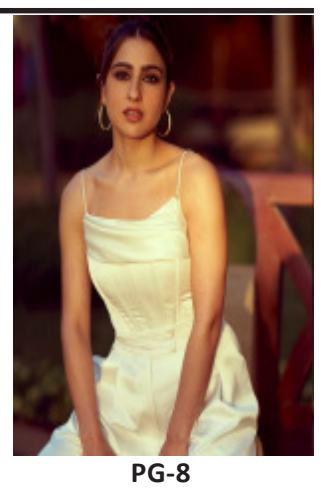

PG-8

सिनेमाः-जब सारा ने टूटे दिल के साथ मां को बताई थी ब्रेकअप की बात अमृता सिंह ने यूं किया था रिएक्ट

वर्ष -09 अंक -20 | प्रयागराज ,बुधवार, 22, मार्च, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अदाणी मुद्दे को लेकर जेपीसी जांच पर अड़ी कांग्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अदाणी मुद्दे पर कांग्रेस लगातार जेपीसी जांच की मांग पर अड़ी हुई है। संसद के अंदर से लेकर बाहर तक कांग्रेस इस मुद्दे पर जोरदार हंगामा कर रही है। बीते लगातार सात दिनों से अदाणी के मुद्दे पर संसद में काम भी नहीं हो पा रहा है। वहीं, अब कांग्रेस ने इसको लेकर फिर मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार को आड़े हाथों लिया है। जयराम ने कहा कि जेपीसी का गठन 1992 में हुआ था, जब कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। जेपीसी का गठन 2001 में वाजपेयी सरकार के दौरान भी हुआ था। दोनों बार शेयर बाजार घोटाले को लेकर जेपीसी का गठन हुआ था। इस बार यह घोटाला केवल शेयर बाजार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पीएम मोदी और सरकार की नीतियों और इरादों से भी जुड़ा है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि 'अदाणी जी चुप्पी तोड़िए'। हम कह रहे हैं 'मोदी जी चुप्पी तोड़िए।'अडानी मामले में जांच के लिए जिस समिति का गठन हुआ है वे अडानी से सवाल करेंगे। हम जो सवाल कर रहे हैं वे प्रधानमंत्री से कर रहे हैं। ये सवाल सुप्रीम कोर्ट की समिति नहीं करेगी, उनकी हिम्मत भी नहीं होगी। ये सिर्फ व्ष्ण् में ही उठाया जा सकता हैः कांग्रेस सांसद जयराम रमेश जयराम रमेश ने जेपीसी जांच की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो विशेषज्ञों की समिति बनाई है, वह अदाणी केंद्रित है। वह अदाणी से सवाल पूछेगी, लेकिन हम पीएम मोदी और सरकार से सवाल कर रहे हैं। हमारे सवाल सिर्फ जेपीसी में ही उठाए जा सकते हैं, सुप्रीम कोर्ट की समिति इस बारे में सोचेगी भी नहीं। उधर, संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को राहुल गांधी के लंदन में लोकतंत्र पर दिए बयान और अदाणी मुद्दे पर जेपीसी जांच की मांग को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। लगातार सातवें दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई और हंगामे के बीच ही जम्मू-कश्मीर का बजट लोकसभा में बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। सियासी घमासान के बीच अब सरकार और विपक्ष संसद ठप होने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने लगे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बीजेपी को बताया 'दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण पार्टी' आरएसएस और पीएम मोदी को लेकर कही यह बात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टी है और इसे कम नहीं आंका जा सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल में लिखे अपने लेख में वाल्टर रसेल मीड ने यह राय व्यक्त की। डब्ल्यूएसजे के अनुसार, ठभारत की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के दृष्टिकोण से, दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण विदेशी राजनीतिक पार्टी है। इसे कम नहीं आंका जा सकता है। 2014 और 2019 में लगातार जीत के बाद भाजपा 2024 में भी दोबारा जीत की ओर बढ़ रही है।' लेख में कहा गया है, ''भारत एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में और जापान के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति के महत्वपूर्ण देश के रूप में उभर रहा है। निकट भविष्य में भाजपा एक ऐसे देश में अपना दबदबा बनाएगी, जिसकी मदद के बिना बढ़ती चीनी शक्ति को संतुलित करने के अमेरिकी प्रयास विफल हो जाएंगे मुस्लिम ब्रदरहुड-लिकुड पार्टी से की तुलना मीड ने कहा, मुस्लिम ब्रदरहुड की तरह, भाजपा पश्चिमी उदारवाद के कई विचारों और प्राथमिकताओं को खारिज करती है, यहां तक कि यह आधुनिकता की प्रमुख विशेषताओं को भी अपनाती है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की तरह,

भाजपा एक अरब से अधिक आबादी वाले देश को वैश्विक महाशक्ति बनाने की उम्मीद करती है। इजरायल में लिकुड पार्टी की तरह, भाजपा लोकलुभावन बयानबाजी और पारंपरिक मूल्यों के साथ मूल रूप से बाजार समर्थक आर्थिक रुख को जोड़ती है, यहां तक कि यह उन लोगों के गुस्से को भी प्रसारित करती है, जिन्होंने महानगरीय, पश्चिमी-केंद्रित सांस्कृतिक और राजनीतिक अभिजात वर्ग द्वारा बहिष्कृत और तिरस्कृत महसूस किया है। के लेख में कहा गया है, ''अमेरिकी विश्लेषक, विशेष रूप से वाम-उदारवादी विचारधारा वाले, अक्सर नरेन्द्र मोदी के भारत को देखते हैं और पूछते हैं कि यह डेनमार्क जैसा क्यों नहीं है। उनकी चिंता पूरी तरह गलत नहीं है। सत्तारूढ़ गठबंधन की आलोचना करने वाले पत्रकारों को उत्पीड़न और इससे भी बदतर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।मीड ने कहा, ''बहुत से लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस की शक्ति से डरते हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी हिंदू राष्ट्रवादी संगठन है, जिसका भाजपा नेतृत्व से घनिष्ठ संबंध है। हालांकि, भारत के पूर्वोत्तर में ईसाई बहुल राज्यों में भाजपा को कुछ सबसे उल्लेखनीय हालिया राजनीतिक सफलताएं मिली हैं डब्ल्यूएसजे में मीड ने लिखा, ''लगभग 200 मिलियन की आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को शिया मुसलमानों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने जातिगत भेदभाव से लड़ने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है मीड ने लिखा, भाजपा और आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं, साथ ही उनके कुछ आलोचकों के साथ गहन बैठकों के बाद मुझे विश्वास है कि अमेरिकियों और पश्चिमी लोगों को आम तौर पर एक जटिल और शक्तिशाली आंदोलन के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने की जरूरत है।

'सुनवाई के दौरान 'बेहद सतर्क' होकर टिप्पणी करें', सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों से ऐसा क्यों कहा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 21 मार्च को देश भर की अदालतों को सुनवाई के दौरान 'बेहद सतर्क' होकर टिप्पणी करने का आदेश दिया है। बता दें कि इन दिनों मामलों की सुनवाई लाइव प्रसारित हो रही है, जिसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुनवाई के दौरान दिए गए बयानों से काफी प्रभाव पड़ता है और प्रतिष्ठा को बड़ी चोट लग सकती है सुप्रीम कोर्ट ने ज्यूडिशयल सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी की बात करते हुए कहा कि लाइव और वर्चुअल सुनवाई आ जाने के बाद से काफी पारदर्शिता देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इस सिस्टम को 'पहले कभी नहीं देखी गई पारदर्शिता' करार दिया है। साथ ही मामलों की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट और निचली अदालतों को सोच समझ कर बयान देने के निर्देश दिए हैं न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा पिछले साल जुलाई में दिए गए एक आदेश को रद्द करते हुए अपने फैसले में ये टिप्पणियां कीं। इसमें एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के खिलाफ एक जमानत याचिका की

सुनवाई के दौरान कुछ प्रतिकूल टिप्पणियां की गई थीं।बता दें कि हाई कोर्ट के एकल न्यायाधीश ने सीबीआई को एक निर्देश जारी कर याचिकाकर्ता के पिछले रिकॉर्ड की जांच करने का आदेश दिया गया था। पीठ ने उनके फैसले को रद्द करते हुए कहा, 'अदालती कार्यवाही के लाइव प्रसारण के कारण अदालत में दी गई टिप्पणियों के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, और जैसा कि इस मामले में देखा जा सकता है, इसमें शामिल पक्षों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है पीठ ने कहा, ऐसी परिस्थिति में अदालतों के लिए यह आवश्यक है कि वे शामिल पक्षों के खिलाफ टिप्पणी करते समय ज्यादा सतर्क रहें। उन्होंने कहा, अदालत कोई भी टिप्पणी तभी करे जब यह उचित मंच पर उचित औचित्य के साथ न्यायिक उद्देश्यों की पूर्ती कर रहा हो। टिप्पणी पारित करने में अत्यंत सतर्क होना चाहिए इस मुद्दे से निपटने के दौरान कि क्या जमानत की कार्यवाही के दौरान हाई कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी को समाप्त किया जा सकता है, पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पिछले साल जुलाई में दो अलग-अलग मौकों पर अपीलकर्ताओं के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी की थी, जिसके बारे में कहा जाता है कि जमानत की कार्यवाही के दौरान, उनकी प्रतिष्ठा को बहुत नुकसान पहुँचाया। पीठ ने कहा कि अदालतों को तब अभियुक्तों के खिलाफ टिप्पणी पारित करने में अत्यंत सतर्क होना चाहिए।

भूकंप के तेज झटकों के बीच बहुमंजिला इमारत से सीढ़ी से नीचे उतरे लोग, दहशत में दिखे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी सहित देश के कई राज्यों में मंगलवार रात करीब 10.18 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.6 मापी गयी। भूकंप के

झटके महसूस होने के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकले। बता दें कि भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग डर के कारण अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के झटके दिल्ली के आसपास के इलाकों के अलावा हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किए गए।अफगानिस्तान में हिंदूकुश क्षेत्र में भूकंप का केंद्र बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भूकंप के झटके कम से कम 30 सेकंड तक महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के जुर्म शहर से 40 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में पाकिस्तान और ताजिकिस्तान की सीमा के पास था। इधर, भूकंप के झटके महसूस होते ही दिल्ली और नोएडा के लोग अपने घरों से निकलकर सड़क पर आ गए, कुछ अपने बच्चों को कंबल में लपेट कर बाहर निकले। वहीं, गाजियाबाद में भी ऐसा ही दृश्य देखा गया। लोग दशसत से घरों से बाहर निकल ग भूकंप के कई सारे फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। ट्विटर यूजर्स ने भूकंप के तेज झटके दौरान सीलिंग फैन्स और लाइट के हिलने के वीडियो शेयर किए। लोगों ने अन्य राज्यों में भूकंप महसूस करने का दावा किया राष्ट्रीय राजधानी में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसके कुछ वीडियो ट्विटर पर शेयर किए गए। दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कई छात्र नॉर्थ कैंपस में अपने हॉस्टल के बाहर खड़े दिख रहे हैं गुरुग्राम के एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने कहा कि इमारत के हिलते ही वह मंजिला मकान से 11 के माध्यम से नीचे उतरी। यूजर ने जो वीडियो शेयर किया, उसमें एक अपार्टमेंट के नीचे पार्क में कई लोगों को देखा जा सकता है।

पश्चिम की कुछ ताकतें भारत के विकास को पचा नहीं पा रहीः वेंकैया नायडू

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम की कुछ ताकतें

भारत की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में सच्ची धर्मनिरपेक्षता का पालन किया जाता है। नायडू ने यह भी कहा कि राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए सेना को किसी विवाद में नहीं शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि वह जम्मू-कश्मीर में प्रतिकूल परिस्थितियों में काम कर रही है उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें कश्मीर को लेकर परेशानी और विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भारत में लोकतंत्र के संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी और अदाणी समूह से जुड़े मुद्दों को लेकर संसद में गतिरोध के बीच, नायडू ने कहा कि सदन को बहस एवं चर्चा करनी चाहिए और निर्णय लेना चाहिए, लेकिन संसद में कोई व्यवधान नहीं होना चाहिए। नायडू ने 29वें लाल बहादुर शास्त्री स्मृति व्याख्यान में कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया भर में सम्मान मिल रहा है, हालांकि पश्चिम की कुछ ताकतें, खास कर औपनिवेशिक शासक, भारत की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। नायडू ने कहा कि यही कारण है कि भारत और इसकी प्रगति के बारे में आपको अक्सर यहां-वहां नकारात्मक खबरें मिलेंगी। हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। नायडू ने दावा किया कि भारत के कुछ विकृत लोग देश से बाहर जाते हैं और कहते हैं कि ब्रिटिश शासन बेहतर था। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से, किसी नेता ने ऐसा नहीं कहा। मैं किसी और व्यक्ति का नाम नहीं लेना चाहता हूं।

कोविड संक्रमित हो चुके लोग 1 साल बाद भी परेशान, सांस लेने में तकलीफ समेत कई दिक्कतों का करना पड़ रहा सामना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आज कोविड-19 के आतंक का दौर खत्म हो चुका है लेकिन इस बीमारी से संक्रमित होने वाले रोगी अस्पताल से छुट्टी के बाद भी थकान, सांस लेने में दिक्कत और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने मंगलवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि कोविड रजिस्ट्री के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों और कोरोनावायरस संक्रमण के बीच संबंध जानने के लिए अध्ययन की संभावना संबंध में कोविड-पश्चात लक्षणों पर अध्ययनों को मंजूरी दी गई है।आईसीएमआर द्वारा कोविड की राष्ट्रीय नैदानिक रजिस्ट्री के प्रतिभागियों का एक वर्ष निरीक्षण किया गया। इसमें पाया गया कि कोविड से ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी से मिलने के बाद 30-60 दिनों तक 8,042 प्रतिभागियों में से 18.6 प्रतिशत प्रतिभागियों ने सांस की तकलीफ, 10.5 प्रतिशत ने थकान और 9.3 प्रतिशत ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे

में बताया। एक वर्ष बीतने पर 2,192 प्रतिभागियों में यह आंकड़ा घटकर क्रमशः 11.9 प्रतिशत (सांस की तकलीफ), 6.6 प्रतिशत (थकान) और 9 प्रतिशत (मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं) रह गया। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने जानकारी दी कि ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई) ने डेटा के अपने प्रारंभिक विश्लेषण में बताया है कि लगभग 2 प्रतिशत प्रतिभागियों ने उच्च रक्तचाप और मधुमेह होने के बारे में रिपोर्ट किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-पश्चात लक्षणों के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए लगातार कई वेबिनार आयोजित किए हैं। ये वेबिनार एम्स दिल्ली, अन्य उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थानों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किए गए हैं। आईसीएमआर ने एओर्टिक, फेफड़ों की सूजन, म्यूकोर्मिकोसिस आदि जैसी विभिन्न स्वास्थ्य दिक्कतों पर कोविड-पश्चात अध्ययन किए हैं।

शीर्ष भारतीय उच्च शिक्षण संस्थान भी अब दूसरे देशों में खोलेंगे अपने कैंपस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया सहित दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालय के भारत में कैंपस खोलने की तैयारियों के बीच शीर्ष भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों ने देश से बाहर निकल अपने कैंपस खोलने में रुचि दिखाई है अभी उनकी प्राथमिकता में पड़ोसी देशों के साथ दुनिया के ऐसे देश हैं, जहां मौजूदा समय में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं और वे वहां इन संस्थानों के खोलने की लगातार मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही इस दौड़ में अफ्रीका और खाड़ी के देश भी प्रमुखता से शामिल हैं। इनमें से कई देशों के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा भी चल रही है। हालांकि, इससे पहले सरकार इन संस्थानों के लिए कुछ नियम-कायदे तय करने में जुटी है।शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी इस दिशा में पिछले कुछ समय से तेजी से काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक इसका मसौदा जारी हो

जाएगा। इस बीच, दुनिया के दूसरे देशों में जिन भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की सबसे ज्यादा मांग है, उनमें आइआइटी, एनआइटी और आइआइएम जैसे संस्थान शामिल हैं। वैसे भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की सिफारिश की गई है। जिसमें भारतीय संस्थानों को दूसरे देशों में कैंपस खोलने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। मंत्रालय के अनुसार, देश में उच्च शिक्षण संस्थानों की एक लंबी सूची है।देश में एक हजार से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में आइआइटी, एनआइटी, ट्रिपल आइटी, आइआइएससी जैसे संस्थान भी हैं। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों के दूसरे देशों में कैंपस खोलने की पहल को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर आगे बढ़ाया जा रहा है। हालांकि, इनमें प्राथमिकता में पड़ोसी देशों को रखा गया है, जहां सबसे पहले कैंपस खोलने की योजना है।इस बीच, नेपाल, श्रीलंका, भूटान और बांग्लादेश में मांग के आधार पर संभावनाओं को तलाशा जा रहा है।

संसद में घमासान जारी; सरकार और विपक्ष ने एक दूसरे को ठहराया जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में राहुल गांधी के लंदन में लोकतंत्र पर दिए बयान को लेकर जारी सत्तापक्ष का संग्राम दिनोंदिन तेज हो रहा है तो विपक्ष भी अदाणी मुद्दे की संयुक्त संसदीय समिति से जांच की मांग को जोरदार तरीके से उठाने से परहेज नहीं कर रहा है। इस दोहरी सियासी रस्साकशी में लगातार आठवें दिन संसद की का यवाही नहीं चल पायी और हंगामे के बीच ही जम्मू-कश्मीर का बजट लोकसभा में बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। सियासी घमासान के बीच अब सरकार और विपक्ष संसद ठप होने के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराने लगे हैं। भाजपा ने कहा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व को मिल रही वैश्विक मान्यता के बीच विपक्ष जान बूझ कर आधारहीन आरोप लगाते हुए संसद को ठप कर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है। कांग्रेस ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी पर बेबुनियाद आरोप लगाकर भाजपा सरकार संसद नहीं चलने दे रही और राज्यसभा में तो नेता विपक्ष

मल्लिकार्जुन खरगे को सरकार के मंत्री बोलने तक नहीं दे रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे रोज की तरह सत्तापक्ष के आक्रामक हंगामे और विपक्ष की जवाबी नारेबाजी के चलते स्थगित हो गई। दोपहर दो बजे लोकसभा में हंगामे के बीच ही केंद्र सरकार के खर्च से जुड़ी अनुदान मांगों और जम्मू-कश्मीर के बजट को बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। इस बीच सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से दोनों सदनों में सरकार और विपक्ष के नेताओं की बुलाई गई बैठक में भी दोनों पक्षों का रूख नरम नहीं रहा और गतिरोध का समाधान नहीं निकला। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल और संसदीय कार्यमंत्री प्रलहाद जोशी ने विपक्षी दलों पर धनखड़ का बार-बार अपमान करने का आरोप लगाया तो कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गोयल पर नेता विपक्ष का अपमान करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि सभापति के दो मौकों बोलने की अनुमति देने के बाद भी गोयल ने खरगे को सदन में बोलने से रोका। उन्होंने कहा कि अदाणी मुद्दे पर जेपीसी के अलावा नेता विपक्ष को चुप कराना भी हमारे लिए एक मुद्दा है। जयराम ने संसद को ठप करने के लिए राहुल गांधी के बयान को बहाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम से जुड़े अदाणी घोटाले में जेपीसी के लिए विपक्ष की मांग को पूरी तरह से निराधार आरोपों को राहुल गांधी से माफी मांगने की भाजपा की मांग से कैसे जोड़ा जा सकता है। उनके मुताबिक जेपीसी की मांग एक वास्तविक घोटाले को लेकर है जबकि माफी की मांग इस घोटाले से ध्यान हटाने के लिए है। संसद में घमासान के बाद कांग्रेस के साथ जेपीसी की मांग कर रहे 16 विपक्षी पार्टियों के सदस्यों ने संसद भवन के गलियारे में बड़े-बड़े बैनरों और पोस्टरों के जरिए भारी विरोध प्रदर्शन किया। पीयूष गोयल ने विपक्ष के इस कदम को सस्ता हथकंड़ा बताते हुए आरोप लगाया कि उनके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और सुर्खियों में बने रहने के लिए वे ऐसे तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब केंद्रीय बजट की चौतरफा प्रशंसा हो रही है और मोदी को दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में पहचाना जा रहा है तब विपक्षी दल देश को गुमराह कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन संयुक्त मंच एनसीआरएमयू प्रयागराज द्वारा हजारों की संख्या में पुराने पेंशन बहाली को ले कर किया गया धरना

प्रदर्शन माननीय प्रधान मंत्री भारत सरकार को संबोधित वा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। माननीय मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को पृथंकित भेजा गया ज्ञापन को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच प्रयागराज के संयोजक आर डी यादव की अध्यक्षता में समय 11 बजे दिन से 3 बजे तक पुरानी पेंशन बहाली को लेकर जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित धरना स्थल पत्थर गिरिजा घर सिविल लाइंस पर कई हजार की संख्या में कर्मचारी शिक्षक अधिकारी पेंशनर्स द्वारा धरना प्रदर्शन करते हुए पुरानी पेंशन बहाल हो का नारा लगाते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार व माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया गया सदन द्वारा निर्णय लिया गया कि यदि दिनाँक 20/5/2023तक दोनो सरकारों द्वारा पुरानी पेंशन बहाल नहीं की गई तो तृतीय चरण के आन्दोलन कर्मचारी शिक्षक समाज इस बैनर के नीचे अपने परिवार जनों के साथ दिनांक 21/5/2023 को ऐतिहासिक मशाल जुलूस निकाल कर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जायेगा।धरने का संचालन मंच के सह संयोजक सचिव विनोद कुमार पांडेय जी ने किया।धरने में केंद्रीय संगठन ऍंश्ळ के राष्ट्रीय महामंत्री आर डी यादव वा उन्हीं के संगठन के डी एस यादव सईद अहमद ए के सिंह सुभाष प्रजापति नागेंद्र बहादुर ,आदि के नेतृत्व में हजारों की संख्या में सदस्यों ने प्रतीभाग किया ।दूसरी ओर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद प्रयागराज की ओर से सह संयोजक वा परिषद् अध्यक्ष राग विराग, सौरभ गुप्ता ध्रुव नारायण, अजय राजू, जितेंद्र चतुर्वेदी,सुरेश सिंह,विवेक वर्मा, अल्प नारायण सिंह, ई0सुरेश प्रजापति,राकेश सिंह, ई मनोज यादव, लक्ष्मण सिंह, घनानंद यादव, ओ पी सिंह,अरुण पांडे, आशीष शुक्ला,लेखपाल संघ के जनपद अध्यक्ष श्री राज कुमार सागर, के नेतृत्व में हजारों की संख्या में सदस्यों ने गवर्मेंट प्रेस शिक्षा निदेशालय माध्यमिक शिक्षा परिषद विकास भवन पी डब्लू डी, सिंचाई, बाल विकास, लेखा एवं लेखा परीक्षक विभाग, कृषि विभाग,चकबंदी विभाग आदि के विभागों ने प्रतिभाग करते हुए न्यू पेंशन स्कीम गो बैक पुरानी पेंशन बहाल हो का नारा लगाते हुए धरना प्रदर्शन कर माननीय प्रधान मंत्री भारत सरकार को संबोधित वा माननीय मुख्य मंत्री को पृष्ठांकित ज्ञापन परिषद् अध्यक्ष राग विराग द्वारा सदन को पढ़कर सुनाया गया जिसका सदन ने ध्वनि मति से प्रस्ताव पारित किया अन्त में मंच के संयोजक सह संयोजक द्वारा जिलाधिकारी के प्रतिनिधि सुदामा वर्मी ण्श् 2 प्रयागराज को ज्ञापन सौंपा गया।संबोधित करने वालो में प्रमुख रूप से जितेंद्र चतुर्वेदी ध्रुव नारायण, राजकुमार सागर, लक्ष्मण सिंह, अरुण पांडे,श्याम सूरत पांडे, राजेश्वर शुक्ला,राजेश, ई हौसला मिश्रा,राम कृष्ण मिश्रा, शुभम त्रिपाठी,दया शंकर यादव,संतोष कुमार मिश्रा आशीष शुक्ला राशिद सुभाष पाण्डेय,रमेश, डी एस यादव,मनोज यादव, घनानंद यादव श्याम सुंदर पटेल प्रमोद कुमार मिश्रा दयाराम पटेल अवनीश पांडेय आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पुरानी पेंशन बहाली का समर्थन किया।

प्रयागराज में अतीक अहमद के दफ्तर पर पुलिस का छापा, 74 लाख नकद, 10 असलहे बरामद, पांच गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में मंगलवार को प्रयागराज पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस ने अतीक अहमद के कर्बला चकिया स्थित कार्यालय पर छापा मारकर कुल 74 लाख 62 हजार रुपया कैश 10 असलहे जिसमें पांच पिस्टल, पांच तमंचे और एक मैगजीन के साथ 112 कारतूस बरामद किया खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के करबला इलाके में स्थित कार्यालय में पुलिस ने मंगलवार को छापा मारकर दस असलहे और करीब साढ़े 74 लाख रुपये बरामद किए। पुलिस ने इससे पहले धूमनगंज इलाके से अतीक के पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया था, उनकी निशानदेही पर ही ये बरामदगी हुई। बड़ी संख्या में नकदी को गिनने के लिए मशीन मंगाई गई। पांचों गुर्गों में एक अतीक का ड्राइवर और दूसरा मुंशी है। बाकी तीनों ने उमेश पाल की रेकी की थी। उनसे पूछताछ की जा रही है। रात में उमेश हत्याकांड से संबंधित कई और राज खुलने की संभावना है। उमेश पाल हत्याकांड के खुलासे में जुटी पुलिस ने मंगलवार को धूमनगंज के जयरामपुर से नियाज अहमद, मोहम्मद सजर, कैश अहमद, राकेश कुमार उर्फ लाला और अरशद कटरा को गिरफ्तार कर लिया। कैश अहमद माफिया अतीक के घर में वर्षों से ड्राइवर है। राकेश उर्फ लाला माफिया के घर 19 वर्ष से मुंशी का काम करता रहा है। कैश और राकेश की निशानदेही पर पुलिस ने अतीक अहमद के करबला स्थित कार्यालय पर छापा मारा। कार्यालय में भारी मात्रा में नकदी, असलहे और कारतूस मिले।नोटों की गड्डियां गिनने के लिए मशीन मंगाई गई। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने बताया कि मौके से पांच पिस्टल, पांच तमंचे, एक मैगजीन के साथ 112 कारतूस बरामद किए गए। अतीक के कार्यालय से 72.37 लाख रुपये भी बरामद किए गए। जबकि, इस मामले में पकड़े गए उसके पांचों गुर्गों के पास से भी 2.25 लाख रुपये मिले। इस तरह कुल 74.62 लाख रुपये बरामद हुए।कमिश्नर के मुताबिक अतीक के पांच गुर्गों में नियाज अहमद धूमनगंज का रहने वाला है। असद ने अतीक और अशरफ से बात कराई थी। नियाज को काम सौंपा गया था कि वह कचहरी से घर तक की रेकी करने के साथ ही उमेश की गाड़ी की पूरी लोकेशन देता रहा। जयंतीपुर का रहने वाला मो. सजर उमेश का पड़ोसी है। उसे असद ने आईफोन दिया था। इंटरनेट कॉलिंग के माध्यम से वह लगातार बताता था कि उमेश कितने बजे घर से निकला और कितने बजे वापस आया। कटरा का रहने वाला अरशद कटरा अतीक के घर में हत्या की साजिश वाली बैठक में शामिल हुआ था। अतीक के चालक कैश अहमद को असलहे और नकदी छिपाने की जिम्मेदारी दी गई थी। अतीक के मुंशी राकेश कुमार उर्फ लाला को भी घटना के बाद कैश और असलहे छिपाने की जिम्मेदारी दी गई थी। उमेश पाल हत्याकांड में रेकी करने वाले और असलहे व कैश छिपाने वाले पांच बदमाशों को पकड़ा गया है। इनमें से एक ड्राइवर और दूसरा मुंशी है। उनसे पूछताछ की जा रही है। आगे जो जानकारी मिलेगी, उसे बताया जाएगा।

कंचन अवस्थी ने बच्चों के साथ केक काटकर मनाया अपना जन्म दिन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। कंचन अवस्थी अपनी आगामी फ़िल्म की शूटिंग के लिये शहर में है । इस दौरान उन्होंने अपना बर्थडे बच्चों के साथ मनाया । कंचन ने बताया की वह रोटी कपड़ा फाउंडेशन से काफ़ी समय से जुड़ी हुई है । उन्होंने आगे बताया ऐसे तो मैं कई सारे संस्थाओं से जुड़ी हूँ और जब भी मौक़ा मिलता है मैं बच्चों से मिलती रहती हूँ। कंचन आगे बताती है कि यह मेरे लिये बहुत खुशी कि बात है की मैं अपना जन्म दिन इतने सारे बच्चों के साथ सेलिब्रेट कर रही हूँ। इतने सारे बच्चों का प्यार मुझे मिला मैं बेहद भाग्यशाली हूँ। कंचन अवस्थी लखनऊ की ही पैदाइश हैं और मुंबई में रहकर अपने शहर का नाम रोशन कर रही हूँ। अपनी खूबसूरत स्माइल से सबका दिल जीतने वाली कंचन बहुत ही शांत स्वभाव की हैं और अपने माता -पिता को अपनी कामयाबी का श्रेय देती हैं। वह कहती है की धरती पर आपके माता पिता आपके भगवान है। फ़िल्म 'गनवाली दुल्हनिया' में उनका काम बेहद सराहनीय था । 'मंटो रीमिक्स' , 'कुतुबमीनार' , 'किस मार्क' यह उनकी अपकमिंग फ़िल्में है जो रिलीज़ को तैयार हैं।

वो दूसरे को चाहने लगी थी, शादी से इनकार; प्रेमी बोला- क्राइम पेट्रोल सीरियल देखकर मार डाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने युवती के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। प्रेमी ने क्राइम पेट्रोल सीरियल देख छात्रा को मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रयागराज के जंघई इलाके में दो दिन पहले अरहर के खेत में मिली छात्रा की लाश के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस की गिरफ्त में आए युवक प्रीतम ने बताया कि टीवी सीरियल क्राइम पेट्रोल देखकर वारदात को अंजाम दिया। उसका कहना था कि छात्रा दूसरे को चाहने लगी थी।इसी वजह से उसने उसे खेत में बुलाया और दुष्कर्म करने के बाद वार कर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद ब्लेड से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आला कत्ल व मोबाइल बरामद कर उसे जेल भेज दिया।सरायममरेज थाना क्षेत्र के वीरेसांव गांव का रहने वाला प्रीतम कुमार ने पुलिस को बताया कि वह जौनपुर जनपद के पवारा थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की से कई वर्षों से प्रेम करता था। लड़की के पिता उसके दूर के रिश्तेदार हैं। ऐसे में उसका आना-जाना बढ़ा। लड़की जंघई स्थित एक पीजी कॉलेज में बीए की पढ़ाई कर रही थी। जिससे वह आए दिन जंघई में मिलता रहता था। प्रीतम ने पुलिस को बताया कि इन दिनों छात्रा ने किसी दूसरे के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ा ली थी। इसकी जानकारी जब प्रीतम को हुई तो वह आग बबूला हो गया। उसने छात्रा से शादी करने की बात कही तो उसने मना कर दिया। इसके बाद उसने छात्रा की हत्या करने की ठान ली। पुलिस के मुताबिक प्रीतम ने बताया कि वह क्राइम पेट्रोल देखता था और प्रेमिका की हत्या का तरीका उसने सीरियल से सीखा। दो दिन पहले सुबह छात्रा से बात कर जंघई के असवा गांव स्थित एक अरहर के खेत में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया फिर उसके गर्दन पर वार कर बेहोश कर दिया। दुष्कर्म किया फिर रेत दिया गला उसने पहले से ब्लेड से उसका गला रेत दिया और शव वहीं छोड़कर भाग निकला। वहीं थानाध्यक्ष मीरगंज बृजेश कुमार ने बताया कि सोमवार को प्रीतम को गिरफ्तार करते हुए हत्या में प्रयुक्त हथियार, मोबाइल व बैग बरामद कर अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से हाईकोर्ट का इन्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ वाराणसी में दर्ज एक पुराने आपराधिक केस को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आरोपमुक्त करने की अर्जी (उन्मोचन अर्जी) ट्रायल कोर्ट के समक्ष दाखिल करने की छूट दी है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ वाराणसी में दर्ज एक पुराने आपराधिक केस को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आरोपमुक्त करने की अर्जी (उन्मोचन अर्जी) ट्रायल कोर्ट के समक्ष दाखिल करने की छूट दी है। कहा कि उन्हें उन्मोचन अर्जी दाखिल करने का अधिकार है। उनके खिलाफ दो माह या उन्मोचन अर्जी के निस्तारित होने तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने रणदीप सिंह सुरजेवाला की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। कोर्ट ने उन्मोचन अर्जी दाखिल करने के लिए कांग्रेस सांसद को दो सप्ताह का समय दिया है। कहा है कि यदि वह दो सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष उन्मोचन अर्जी दाखिल करते हैं तो उस पर विचार किया जाए और छह सप्ताह के भीतर उस पर शीघ्रता से निर्णय लिया जाए। कहा है कि इस दौरान उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए।कांग्रेस सांसद के खिलाफ वर्ष 2000 में वाराणसी के कैंट थाने में आईपीसी की धारा 147, 332, 353, 336, 333, 427 और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम की धारा तीन के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसमें कहा गया कि कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ उन्होंने आयुक्त के कार्यालय परिसर में जबरन घुसकर हंगामा किया और लोक सेवकों के साथ मारपीट की।सुनवाई के दौरान याची के अधिवक्ता की ओर से कहा गया कि यह मामला उत्पीड़न के उद्देश्य से दुर्भावनापूर्ण इरादे से दर्ज कराया गया है। इसलिए पूरी कार्यवाही को रद्द कर दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर राज्य के वकील ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ कथित अपराध सही है और प्रथम दृष्टया अपराध बन रहा है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर पेश किए गए सबूतों और तथ्यों का अवलोकन करने के बाद कहा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ कोई अपराध बनता है या नहीं, इसे इस स्तर पर नहीं कहा जा सकता है।

बादशाहत बचाए रखने में अतीक के लिए चुनौती बन गया था उमेश

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देश पर खुफिया विभाग उमेश पाल हत्याकांड के पीछे की वजहों को तलाशने में जुटा हुआ है। अब तक की पड़ताल से जो निकलकर सामने आया है, उसके मुताबिक अतीक को अपनी बादशाहत बचाए रखने के लिए घटना को अंजाम देना जरूरी हो गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देश पर खुफिया विभाग उमेश पाल हत्याकांड के पीछे की वजहों को तलाशने में जुटा हुआ है। अब तक की पड़ताल से जो निकलकर सामने आया है, उसके मुताबिक अतीक को अपनी बादशाहत बचाए रखने के लिए घटना को अंजाम देना जरूरी हो गया था। अतीक के गुजरात की जेल में ट्रांसफर होने के बाद से उमेश पाल का रसूख की दुनिया में वर्चस्व इस कदर बढ़ गया था कि उसके अपने कई गुर्गों का झुकाव उमेश की तरफ होने लगा था। इसकी वजह से साजिश की व्यूहरचना की गई। इसके अतिरिक्त खुफिया विभाग की टीम उमेश की हत्या की अन्य वजहों को भी टटोलने में लगी हुईं हैं।पड़ताल में लगी खुफिया विभाग की टीम के मुताबिक जबसे योगी सरकार ने अतीक की कमर तोड़नी शुरू की थी, तबसे उमेश पाल सरकारी व्यवस्था का मुखबिर बना हुआ था। उमेश अतीक के पते-ठिकानों की जानकारी देने से लेकर उसकी संपत्तियों तक की सूचनाएं सरकारी महकमों को बताने लगा था। अतीक गैंग के लोगों के बीच उमेश यह संदेश देने में लग गया था कि अब वही माफिया के धंधों को ओवरटेक करेगा। अतीक के लोगों के बीच यह चर्चा आम हो गई थी कि काम कोई भी हो, उमेश को साथ मिलाए बिना होने वाला नहीं है। लिहाजा अतीक के कई गुर्गे उसका गिरोह छोड़कर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उमेश पाल का दामन थाम चुके थे।

दुनिया के तीसरे रोप-वे प्रोजेक्ट के लिए वाराणसी तैयार

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। तय हुआ है कि प्रधानमंत्री अब 28 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। इससे पहले 29 विकास परियोजनाओं की सौगात दिलाने की तैयारी थी। जाल्हूपुर में बने पशु शवदाह को लोकार्पण की सूची से बाहर कर दिया गया है। जिला प्रशासन से मिली जानकारी कि मुताबिक, प्रधानमंत्री अब 1779.66 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 1592.49 करोड़ रुपये की नौ परियोजनाओं का शिलान्यास व 187.17 करोड़ का लोकार्पण शामिल है। मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने बताया कि बारिश का पानी लोकार्पण व शिलान्यास स्थल तक न जाए, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। कार्यक्रम स्थल के पास मेड़बंदी कराई जा रही है।प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में देश की पहली पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे। इसके साथ ही कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया के बीच रोपवे का काम शुरू हो जाएगा। यह परियोजना 644.49 करोड़ रुपये की है। कैंट से गोदौलिया तक पांच स्टेशन बनेंगे। प्रधानमंत्री तीन कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। रुद्राक्ष, संपूर्णानंद के अलावा सर्किट हाउस में लंच का इंतजाम रहेगा। जिलाधिकारी एस राजलिंगम के अनुसार सभी कार्यक्रम स्थलों को देखा गया है।सर्किट हाउस में फलाहार का इंतजाम किया जा रहा है। इसमें फल, दूध के अलावा नींबू पानी, मखाने का सत्तू, कुट्टू का खीर और खिचड़ी, पंचमेवे का हलुआ आदि का इंतजाम रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मार्च को सुबह 9:30 बजे विशेष विमान से वाराणसी आएंगे। सबसे पहले कन्वेंशन सेंटर में होने वाले क्षय रोग की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में हिस्सा लेंगे, फिर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय जाएंगे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल मैदान में ही विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर ढाई बजे तक वाराणसी में रहेंगे, फिर विशेष विमान से रवाना दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

बनारस में बटुकों ने इस अंदाज में किया हिंदू नव वर्ष का स्वागत, ये तस्वीरें देखकर हो जाएंगे मंत्रमुग्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। वाराणसी में भारतीय नवसंवत्सर वर्ष 2080 का स्वागत किया गया। शंकराचार्य घाट पर नव संवत्सर पर मंगलम कार्यक्रम में बटुकों ने सूर्य नमस्कार से नवसंवत्सर वर्ष का स्वागत किया। नवसंवत्सर वर्ष 2080 के स्वागत में ॐ अंकित भगवा ध्वज से शहर के चौक-चौराहे, गली-मुहल्ले मंगलवार से ही सज गए थे। चैत्र प्रतिपदा विक्रम संवत 2080 से पूर्व ही भगवा आभा से दमकते मुख्य मार्ग अपनी विशिष्टता का परिचय दे रहे थे। जगह-जगह शुभकामना बैनर, अल्पनाएं व रंगोलियां बनाई गई थीं। हिंदू नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को श्रीलाट भैरव भजन मंडल के तत्वावधान में तुलसीदास मार्ग तेलियाना, हनुमानफाटक आदि क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ दीपमालाएं सजाई गईं। दोपहर से ही क्षेत्र के उत्साही नौजवानों ने आमजनमानस के सहयोग से दीपक सजाने का कार्य प्रारंभ कर दिया। राम जानकी मंदिर के महंत रामदास ने मंदिर परिसर में दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। देखते ही देखते अमावस्या की अंधेरी रात दीपक की सात्विक रोशनी से जगमग हो उठी। श्रीराम जानकी मंदिर में कलाकारों ने चैती की धुन पर पचरा आदि देवी गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में केवल कुशवाहा, रितेश कुशवाहा, रामप्रकाश जायसवाल, प्रवीण कुशवाहा, तारकेश्वर नाथ जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

कहीं उड़े टिनशेड, लोहे की रेलिंग भी गिरी दरोगा का सिर फटा, ओले गिरने से बढ़ी आफत

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि मंगलवार की रात आफत बनकर आई। फसलों को जबरदस्त नुकसान हुआ। शहरी इलाके में जलभराव की भी समस्या रही। पेड़ की डालियां टूटकर गिर पड़ीं। सड़कों पर जगह-जगह साइन बोर्ड व कैनोपी गिरे दिखे। लोहे की रेलिंग गिरने से दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, इस सप्ताह मौसम ऐसे ही बना रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम बदल गया है। 21 मार्च की रात तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई, जो कुछ-कुछ अंतराल पर जारी रही। बारिश से लंका, नदेसर, गोदौलिया, कैंट, मलदहिया, लहरतारा, बीएचयू परिसर, लहुराबीर, पिपलानी कटरा, मैदागिन आदि जगहों पर जलभराव हो गया। सड़कों पर इतना पानी लग गया कि राह चलना मुश्किल हो गया। मंगलवार की रात बारिश इतनी तेज थी कि बरेका परिसर में जगह-जगह जलभराव हो गया। सबसे अधिक परेशानी तो तब हुई, पानी वर्कशॉप तक पहुंच गया। अचानक वर्कशॉप की छत से पानी गिरता देख कर्मचारी भी परेशान हो गए। कॉलोनियों में भी जलभराव की समस्या रही। कुछ घरों में भी बारिश का पानी पहुंच गया। बरेका पीआरओ राजेश कुमार का कहना है कि बारिश बहुत तेज थी। बरेका के पास जल निकासी की पूरी व्यवस्था है। कुछ ही देर में वर्कशॉप समेत सभी जगहों से पानी निकल गया। बीमित किसान यहां करें फोन बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर बंद होने की शिकायत के बाद मंगलवार को एक और अतिरिक्त हेल्प नंबर 7380727845 जारी किया गया गेहूं की फसल में लग जाएंगे काले धब्बे, कम हो जाएगा वजन कृषि वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि यह बारिश सभी फसलों के लिए नुकसान देय है। गिर चुकी गेहूं की फसल में पानी लगने से दाने में काले धब्बे की संभावना रहेगी। उसका वजन भी कम हो जाएगा। दलहनी, तिलहनी के अलावा आम और सब्जियों को भी 25 प्रतिशत तक नुकसान होगा।

दो गाड़ियों में असलहा भरकर हॉस्टल में घुसे मनबढ़ः छात्रों ने दौड़ाया तो कार छोड़कर भागे, वीएचपी का लगा है स्टीकर

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। यूपी कॉलेज में दो गाड़ियों से असलहा लेकर कुछ मनबढ़ छात्रावास पहुंचे जहां हॉस्टल के छात्रों ने दौड़ा कर मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर मनबड़ों को दौड़ाया। सभी मौके से गाड़ी को छोड़कर फरार हो गए। गाड़ियों को हॉस्टल के छात्रों ने तोड़ दिया और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुची पुलिस छानबीन कर रही। वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज से एक बड़ी खबर आई है। कॉलेज में दो गाड़ियों से असलहा लेकर कुछ मनबढ़ छात्रावास पहुंचे जहां हॉस्टल के छात्रों ने दौड़ा कर मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर मनबड़ों को दौड़ाया। सभी मौके से गाड़ी को छोड़कर फरार हो गए। गाड़ियों को हॉस्टल के छात्रों ने तोड़ दिया और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुची पुलिस छानबीन कर रही। बताया जा रहा है कि दो लग्ज़री गाड़ियों से लगभग एक दर्जन मनबढ़ असलहा लहराते हुए कॉलेज में घुसे। वो किसी छात्र को खोजते हुए हॉस्टल में पहुचे जहां भनक लगते ही छात्र एकत्रित हो गए छात्रों ने मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया जिससे वो गाड़िया छोड़कर भाग गए। गाड़ी पर पर भाजपा पदाधिकारी और विश्व हिन्दू परिषद पदाधिकारी का लोगो लगा हुआ है जिसकी छानबीन पुलिस कर रही है।

वाराणसी के दुर्गा मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़, 'जय माता दी' के नारों से गूंजा शहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। वाराणसी में दुर्गाकुंड स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार देखने को मिली। मंदिरों के बाहर बैरिकेडिंग के साथ ही गर्भगृह से लेकर मंदिर परिक्षेत्र की धुलाई, रंगाई-पुताई का काम मंगलवार को ही पूरा हो गया था। चैत्र नवरात्र पर शिव की नगरी शक्ति की आराधना में लीन हो गई। मां आदिशक्ति के अनुष्ठान घर से लेकर मंदिरों तक हो रहे हैं। भक्त नवरात्र की प्रतिपदा पर मुख निर्मालिका गौरी के दर्शन कर रहे हैं। माता शैलपुत्री के मंदिर में भी श्रद्धालुओं की कतार देखने को मिल रही है। मंदिरों के बाहर बैरिकेडिंग के साथ ही गर्भगृह से लेकर मंदिर परिक्षेत्र की धुलाई, रंगाई-पुताई का काम मंगलवार को ही पूरा हो गया था। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिरों के बाहर पुलिस कर्मी की तैनात किए गए हैं। मंदिरों के बाहर बैरिकेडिंग की गई है। दुर्गाकुंड स्थित दुर्गा मंदिर, भदैनी स्थित नौ दुर्गा, महिषासुर मर्दिनी, कमच्छा स्थित कामाख्या देवी और बड़ी शीतला मंदिर में पहले नवरात्र को भारी भीड़ देखने को मिल रही है। शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा का आगमन बुधवार को नाव से हुआ। नाव पर सवार होकर ही मां दुर्गा कलश में विराजीं, फिर 30 मार्च को महानवमी पर हाथी पर सवार होकर प्रस्थान करेंगीं। महाअष्टमी व्रत का पारण 30 मार्च और नौ दिनों का व्रत रखने वाले 31 मार्च को पारण करेंगे। काशी विद्वत कर्मकांड परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य अशोक द्विवेदी ने बताया कि माता का आगमन और प्रस्थान सुखदायक है। नवरात्र में सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, रवि योग और गुरु पुष्य योग का महा संयोग निर्मित हो रहा है। श्रद्धालुओं को इस बार पूरे नौ दिन माता की आराधना के लिए मिल रहे हैं। सप्तमीयुक्त अष्टमी में श्रद्धालु महानिशा की पूजा करेंगे। निशिथ व्यापिनी अष्टमी योग 28 मार्च को बन रहा है, जो महानिशा पूजन के लिए सर्वोत्तम है। महाष्टमी व्रत 29 मार्च को और महानवमी 30 मार्च को होगी।

करोड़ों रुपये खर्च, फिर भी खतरे के मुहाने पर खड़े हैं गोरखपुर शहरवासी

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। एनजीटी ने जुर्माने की कार्रवाई के पीछे भी यही तर्क दिया था कि राप्ती नदी और रामगढ़ताल में गिर रहा गंदा पानी जापानी इंसेफेलाइटिस की वजह बन सकता है। रामगढ़ताल में आरकेबीके से लेकर पैड़लेगंज तक 18 नालों का पानी सीधे गिर रहा है। करोड़ों लोगों की आस्था की प्रतीक राप्ती नदी और मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल रामगढ़ताल में आज भी नाले और नालियों का गंदा पानी गिर रहा है। जबकि, इसे शुद्ध करने में करोड़ों रुपये खर्च कर दिए गए हैं। रामगढ़ताल में तो अभी सीवर लाइन का काम भी पूरा नहीं हो सका है। वहीं, राप्ती नदी में ही करीब साढ़े सात करोड़ लीटर गंदा पानी गिर रहा है। यह समय भी संक्रामक बीमारियों का है। ताल में गंदा पानी गिरता रहेगा तो मच्छर बढ़ेंगे ही, लोगों के बीमार होने का खतरा भी बना रहेगा। एनजीटी ने जुर्माने की कार्रवाई के पीछे भी यही तर्क दिया था कि राप्ती नदी और रामगढ़ताल में गिर रहा गंदा पानी जापानी इंसेफेलाइटिस की वजह बन सकता है। रामगढ़ताल में आरकेबीके से लेकर पैड़लेगंज तक 18 नालों का पानी सीधे गिर रहा है। यहां सीवर लाइन बिछाकर उसे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाना है। लेकिन, सीवर लाइन बिछाने का काम भी 70 फीसदी ही हो सका है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में 10 जून से होंगी प्रवेश परीक्षाएं, 15 मई तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र को नियमित करने के लिए प्रवेश की प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने की योजना बनाई है। परास्नातक, प्री-एचडी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, इंजीनियरिंग तथा कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत सोमवार से हो गई है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में स्नातक एवं परास्नातक की कक्षाओं में प्रवेश के लिए परीक्षाएं 10 जून से शुरू हो जाएंगी। प्रवेश के लिए 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन करना है और एक जुलाई से प्रवेश लिया जाएगा विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र को नियमित करने के लिए प्रवेश की प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने की योजना बनाई है। परास्नातक, प्री-एचडी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, इंजीनियरिंग तथा कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इसे भी पढ़ेंः सात लाख लेकर सरकारी नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया, चाचा-भतीजे पर केस दर्ज इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षाएं 10 जून से 25 जून तक कराई जाएंगी। इसके सकुशल आयोजन के लिए स्नातक प्रवेश परीक्षा का समन्वयक प्रो विनय कुमार सिंह, परास्नातक प्रवेश परीक्षा का समन्वयक प्रो मनीष कुमार श्रीवास्तव और प्री- पीएचडी प्रवेश परीक्षा का समन्वयक प्रो दिनेश यादव को बनाया गया है।

100% Placement
15% Fee Concession
सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर
Apply Online: www.nainitti.com
Mail us at – info@nainitti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

अर्ध निर्मित नाली में गिरकर एक ही घर के छोटी बच्ची और बुजुर्ग घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। डाला बाजार नगर पंचायत स्थित सेक्टर बी चौराहा के पास मानिक चंद जायसवाल के घर से लागभग 50 मीटर कवर्ड नाली का निर्माण होना था जिसमे ठेकेदार की मनमानी से नगर वासी परेशान दिखे । डाला बाजार नगर पंचायत में बीते 22 फरवरी को नाली निर्माण को लेकर स्थानीयों ने धरना प्रदर्शन करने लगे। जिसे नगर पंचायत के जिम्मेदार आकर कार्य कराने की जिम्मेदारी लेते हुए । यह कहां की कार्य जल्द ही आरंभ कर दिया जाएगा। । स्थानीयों ने बताया कि कार्य आरंभ तो किया गया परंतु कभी काम 4 दिन बंद तो कभी चालू। ऐसी स्थिति में 2 साल की बच्ची गिर कर चोटिल हो गयी । वही बच्ची के दादा भी अर्धनिर्मित नाली में गिर कर घायल हो गए। बृद्धा वस्था में कमर में चोट लगने से चलने में दिक्कत का ज़माना करना पड़ रहा है । परेशान नगर वासियों ने ठेकेदार से परेशान होकर स्थानीय चौकी इंचार्ज से न्याय की गुहार लगाई । वही मौके पर उपस्थित हो चौकी इंचार्ज द्वारा जांच कर ठेकेदार के सुपरवाइजर को फटकार लगाई गई । वही जेई ने बताया कि जड़ से ही काम आरंभ करा दिया जा रहा है।

खदान में धारा 22 लगने के बाद भी धडल्ले से हो रहा मानक के बिपरीत खनन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। डाला , बिल्लीमारकुंडी खनन क्षेत्र में बिल्ली स्टेशन से सटे खनन में धारा 22 के लगने के बाद भी मानक के बिपरीत खनन का सिलसिला जोरो पर जारी हैं । यदि पट्टे की शर्तों के विपरीत अवैध खनन किया जा है तो माइंस एंड मिनरल एक्ट के तहत कार्यवाही क्यों नही की जा रही । यदि पट्टे या लाइसेंस या प्राधिकार के खनन किया जा रहा है और गलत तरीके से ट्रांसपोर्ट किया जा रहा है तो भारतीय दंड संहिता के तहत कार्यवाही क्यों नही । यह खनन नियम के अनुसार अपराध है और चोरी का भी अपराध बनता है। नियमानुसार कार्यवाही होनी चाहिए । खान को सुरक्षित करने के लिए खानधारी को खान सुरक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार खनन कार्य करना चाहिए। जिसके लिए खान में प्रवेश कर खनन कार्य नियमानुसार करना चाहिए। ऐसे में जांच कर खानों को अतिशीघ्र नोटिश जारी किया जाय। ताकि खानों में खान सुरक्षा निदेशालय के निर्देशों की पालना हो सके।जानकारी के अनुसार अक्सर देखने को मिलता है कि समय-समय पर सोनभद्र खान विभाग की टीम छापा मारती रहती है । फिर भी खनन कर्ता के हौशले बुलन्द कैसे है।

डीआरएम ने रेलवे अधिकारी क्लब की निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। मंडल महिला कल्याण संगठन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में लहरतारा स्थित पूर्वोत्तर रेलवे अधिकारी क्लब में सम्पन्न ऑन स्पॉट ड्राइंग पेंटिंग एवं निबन्ध प्रतियोगिताठ के विजेताओं का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।इस दौरान कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन श्रीमती सुजाता पाण्डेय एवं मंडल रेल प्रबंधक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मंडल महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती बशु श्रीवास्तव,श्रीमती अंजना अग्निहोत्री,श्रीमती अपर्णा यादव,कोषाध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह एवं कार्य कारिणी की सदस्याओं में श्रीमती प्रीति केशरवानी,श्रीमती ऋतिका सिंह,श्रीमती सरिता केशरवानी समेत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। इस पुरस्कार समारोह में मुख्यालय स्तर पर भी वाराणसी मंडल के प्रतिभागियों को 6 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। जबकि मंडल स्तर पर तीनों ग्रुपों (6-9,9-12,12-15 आयु संवर्ग) में प्रथम ,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 18 बच्चों एवं प्रोत्साहन पुरस्कार 12 बच्चों को अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन श्रीमती सुजाता पाण्डेय एवं मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन श्रीमती सुजाता पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों के प्रति असीम स्नेह दर्शाते हुए, उन्हें अपनी कला के अभ्यास में निरंतर लगे रहने का आवाहन किया । आशा है कि अन्य रेल कर्मियों के बच्चे भी इससे प्रेरित होकर कला-कौशल के क्षेत्र में और उत्कृष्ट कार्य करेंगे। मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने प्रतिभावान कलाकारों को उनकी प्रतिभा के लिए सराहा और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति सजग और तत्पर रहने का प्रोत्साहन दिया।कार्यक्रम का संचालन मुख्य हित निरीक्षक राहुल भट्ट ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन श्रीमती सुजाता पाण्डेय ने किया।इस आशय की जानकारी अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने मीडिया को दी।

विंध्य कॉरिडोर देखने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। विंध्याचल में शुरू हो रहे नवरात्र मेला में इस बार मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के साथ ही विंध्य कॉरिडोर देखने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में मेला क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। एएसपी से लेकर कांस्टेबल तक की ड्यूटी लगाई गई। पूरे क्षेत्र में लगभग ढाई हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में तैनाती के लिए पुलिसकर्मियों की मांग की गई थी। जिनको ड्यूटी के बारे में बैठक कर निर्देश दिए जा चुके हैं। संपूर्ण मेला व्यवस्था के नोडल एएसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मेला में आए भक्तों को सकुशल दर्शन कराने के लिए दो एएसपी, 14 सीओ, 300 निरीक्षक और उप निरीक्षक तैनात किए गए हैं। इसके अलावा दो हजार कांस्टेबल और अन्य पुलिसकर्मियों को तैनाती की गई है।

विंध्य मेला क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध, ढाई हजार पुलिस तैनात

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। विंध्याचल में शुरू हो रहे नवरात्र मेला में इस बार मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के साथ ही विंध्य कॉरिडोर देखने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में मेला क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। एएसपी से लेकर कांस्टेबल तक की ड्यूटी लगाई गई। पूरे क्षेत्र में लगभग ढाई हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में तैनाती के लिए पुलिसकर्मियों की मांग की गई थी। जिनको ड्यूटी के बारे में बैठक कर निर्देश दिए जा चुके हैं। संपूर्ण मेला व्यवस्था के नोडल एएसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मेला में आए भक्तों को सकुशल दर्शन कराने के लिए दो एएसपी, 14 सीओ, 300 निरीक्षक और उप निरीक्षक तैनात किए गए हैं। इसके अलावा दो हजार कांस्टेबल और अन्य पुलिसकर्मियों को तैनाती की गई है। इसमें यातायात पुलिस, फायर मैन, फ्लड पुलिस, एंटी चेन स्कैचर स्क्वॉड, गुंडा दमन दल आदि तैनात रहेंगे। विभिन्न प्वांइट का निर्धारण कर पुलिस की तैनाती की गई है। खोया पाया केंद्र बनाया गया है। रोटेशन के आधार ड्यूटी लगाई गई है। ड्रोन कैमरे से भी मेला क्षेत्र में निगरानी की जाएगी। नवरात्र मेला में लोग गंगा स्नान करने के बाद मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने के लिए जाते हैं। इसे देखते हुए गंगा घाटों पर सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। पुलिस मेला अधिकारी सीओ सिटी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि गंगा घाट पर बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड टीम को लगाया गया है। पीएसी की एक कंपनी फ्लड टीम लगाई गई है। इसमें दो प्लाटून विंध्याचल और एक प्लाटून चुनार में भी गंगा किनारे लगाई गई है। विंध्याचल समेत अष्टभुजा और कालीखोह क्षेत्र में भीड़ को नियंत्रित करने और वाहनों को रोकने के लिए 21 स्थानों पर बैरियर लगाया गया है। पुलिस मेला अधिकारी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि तीनों मंदिरों के चारो ओर 21 स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। जहां से भीड़ को नियंत्रित किया जाएगा। यहां से कोई वाहन अंदर प्रवेश नहीं करेगा। सिर्फ पास वाले वाहन ही प्रवेश कर सकेंगे। विंध्याचल क्षेत्र में बड़े वाहनों का प्रवेश पूरे नवरात्र तक प्रतिबंधित है। वाराणसी से विंध्याचल होकर प्रयागराज जाने वाले वाहन को डायवर्ट किया गया है। शास्त्री पुल से जाने वाले वाहन नटवां से बथुआ होकर लालगंज, गैपुरा के रास्ते प्रयागराज जाएंगे। इसी तरह से प्रयागराज से वाराणसी वाहन जाएंगे। सीओ सिटी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के लिए फोर्स की तैनाती की गई है। इसमें कालीखोह मार्ग और अमरावती पुल समेत अन्य स्थानों पर जहां पर अंधेरा है, वहां लगातार पुलिस टीम गश्त करती रहेगी।

चार स्पेशल ट्रेनों का भी विंध्याचल स्टेशन पर होगा ठहराव

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। चैत्र नवरात्र मेले के दौरान रेल प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए विंध्याचल स्टेशन पर चार स्पेशल ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा विंध्याचल स्टेशन पर पहले से ही 16 जोड़ी ट्रेनों को ठहराव हो रहा है। नवरात्र के दौरान मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के लिए विंध्याचल में दूरदराज से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए विंध्याचल स्टेशन पर 16 जोड़ी ट्रेनों का पहले से ठहराव हो रहा है। इसके अलावा रेल प्रशासन ने चार स्पेशल ट्रेनों के ठहराव की भी घोषणा की है। रेलवे के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि 22 मार्च से एक अप्रैल तक विंध्याचल रेलवे स्टेशन पर दो मिनट के लिए चार स्पेशल ट्रेनों का ठहराव होगा। इन ट्रेनों में गाड़ी संख्या (12141) लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, (15646) गुवाहटी-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, (15648) गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, (12335) भागलपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पहले से भी विंध्याचल स्टेशन पर नियमित ट्रेनों का ठहराव हो रहा है। इनमें (12948) अजीमाबाद एक्सप्रेस, (13201) मुंबई जनता एक्सप्रेस, (22932) क्षिप्रा एक्सप्रेस, (20975) चंबल एक्सप्रेस, (03333) मेमो पैसेंजर, (15483) महानंदा एक्सप्रेस शामिल हैं। इनके अलावा (18309) मुरी एक्सप्रेस, (22178) महानगरी एक्सप्रेस, (12321) हावड़ा मुंबई मेल, (19046) ताप्ती गंगा एक्सप्रेस, (12397) महानगरी एक्सप्रेस, (04193) सूबेदारगंज पैसेंजर, (18202) दुर्ग एक्सप्रेस, (15076) त्रिवेणी एक्सप्रेस, (15231) गोदिया एक्सप्रेस, (20801) मगध एक्सप्रेस का भी पहले से ठहराव हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज की ओर से आने वाली सभी ट्रेनों का ठहराव प्लेटफार्म नंबर एक पर किया जाएगा।

मिर्जापुर जिला सुषमा स्वराज अवार्ड सम्मेलन संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। 15 प्रबुद्ध बहनों को सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रतिभा कुशवाहा जी(प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ प्रतिभा कुशवाहा जी ने सुषमा स्वराज जी के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें बताई। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भाजपा श्रीमान बृजभूषण सिंह जी रहे। अध्यक्षता निर्मला राय जी (जिला उपाध्यक्ष भाजपा) ने किया। कार्यक्रम की संयोजक सुनीता शर्मा जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मिर्जापुर। संचालन (जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा) सूर्या दुबे जी ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से (जिला महामंत्री महिला मोर्चा) प्रत्याशी टंडन जी एवं बिना सिंह पटेल जी, (जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा) सुनीता पटेल जी और गीता यादव जी, (जिला मंत्री महिला मोर्चा) गुंजन गुप्ता जी संध्या सिंह पटेल जी, शिखा अग्रवाल जी सुनीता बिंद जी और दीपा ऊमर जी उपस्थित रहीं।

एनएचएम फ्राड के आरोपियों के घर कुर्की की नोटिस चस्पा

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। सोनभद्र के एनएचएम खाते से गलत तरीके से डिजिटल हस्ताक्षर बनाकर 77 लाख 60 हजार रुपये निकाल लेने वाले गिरोह के फरार चल रहे दो सदस्यों के खिलाफ वारंट जारी होने पर परिक्षेत्रीय साइबर थाने की पुलिस ने झारखंड जाकर उनके घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया है। इस मामले में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 लाख रुपये फ्रीज करा चुकी है। सोनभद्र में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे डॉ. विनोद कुमार अग्रवाल ने नौ फरवरी 2021 को परिक्षेत्रीय साइबर थाने में तहरीर देकर बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के खाते से फर्जीवाड़ा कर 77 लाख 60 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। परिक्षेत्रीय थाने की पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि डिजिटल हस्ताक्षर के जरिए फर्जीवाड़ा कर खाते से रुपये निकाले गए हैं। थाना प्रभारी श्याम बहादुर यादव, एसआई डॉ. चंद्रशेखर यादव की टीम मुकदमा दर्ज करने के बाद मामले की जांच में जुट गई। मामले में पुलिस अब तक मुख्य आरोपी समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी कासिम हाशमी ने एक पखवाड़ा पहले ही मुख्य न्यायिक कोर्ट में सरेंडर किया है। मामले में दो आरोपी फरार चल रहे थे। साइबर क्राइम थाना के नोडल अधिकारी सीओ परमानंद कुशवाहा ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों आरोपियों विनीत कुमार निवासी ईशीपुर बराहट जिला भागलपुर व मो. अलीफ उस्मान निवासी पहाड़पुर देवचक थाना मेहरमा झारखंड के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किया। न्यायालय के आदेश पर साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम बहादुर सिंह, उप निरीक्षक चंद्रशेखर यादव, हेड कांस्टेबल अमित कुमार पटेल ने झारखंड जाकर मंगलवार को आरोपियों के घर पर डुगडुगी बजवाकर कुर्की का नोटिस चस्पा किया।

मिर्जापुर के विंध्यवासिनी धाम में उमड़ी भक्तों की भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन बुधवार को मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह चार बजे से ही मंगला आरती के बाद मां का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। न्यू वीआईपी गली, पुरानी बीआईपी, जयपुरिया गली, पाठक जी की गली आदि जगहों से दर्शनार्थी लगातार मां के दर्शन के लिए कतारों में लगे रहे। वाहनों को बरतर के पहले ही रोक दिया जा रहा था। उधर प्रयागराज की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को अमरावती के पास रोक दिया जा रहा था। पूरा विंध्य क्षेत्र जय मां विंध्यवासिनी के जयघोष से गूंज रहा था। जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ला व सभी पुलिस अधिकारी धाम क्षेत्र व घाटों पर तथा गलियों आदि जगहों पर चक्रमण करते रहे और दर्शनार्थियों से वार्ता कर समस्याओं की जानकारी लेते रहे।

केन्द्रीय मंत्री व विधायक नगर एवं मझवा ने संयुक्त रूप से सेल्फी प्वाइंट एवं निशुल्क 'इलेक्ट्रिक बस, 04 'गोल्फ कार्ट सेवा' का हरी झण्डी दिखा किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मीरजापुर 21 मार्च 2023- मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल में चैत्र नवरात्र मेले में श्रद्धालुओं को अच्छी सुविधा मुहैया कराने के दृष्टिगत दिव्यांग और वृद्धजनों के लिए मां विंध्यवासिनी मंदिर तक पहुंचने के लिए चार इलेक्ट्रिक बस एवं चार गोल्फ काट सेवा का शुभारम्भ आज रोडवेज परिसर से केन्द्रीय राज्यमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग भारत सरकार अनुप्रिया पटेल, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र व विधायक मझवा डॉ विनोद बिन्द जी ने संयुक्त रूप से किया गया। केन्द्रीय ने बताया कि प्रेस प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुये बताया कि इलेक्ट्रिक बस एवं गोल्फ कार्ट से विन्ध्याचल मां का दर्शन करने के लिये आने वाले वृद्धजन, दिव्यांगजन को गोल्फ कार्ट के द्वारा दर्शन में सुविधा होगी तथा इलेक्ट्रिक बस से कोई भी यात्री त्रिकोण यात्रा करना चाहता है तो वह निशुल्क यात्रा कर सकता है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जानकारी देते हुये बताया कि यह बस दिन में पांच बार त्रिकोण यात्रा कराएगा। इसके चार्जिंग के लिये रोडवेज में ही व्यवस्था सुनश्चित करायी गयी हैं। वाहन को चलाने हेतु प्रशिक्षित वाहन चालको को लगाया गया है जो इन वाहनों से त्रिकोण करायेगा। यह बस सुबह 10 बजे, दोपहर 12 बजे, 2 बजे शाम 4 बजे और रात्रि 8 बजे तक, वहीं क्रीप्टिक मोटर्स ई रिक्शा दिन भर श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहेंगे। यह मां विंध्यवासिनी मंदिर की तरफ जाने वाली पुरानी वी0आई0पी0रोड के गेट पर, न्यू0वी0आई0पी0 गेट पर, बरतर तिराहा और रोडवेज के खड़े रहेंगे। गोल्फ कार्ट में पांच वृद्ध अथवा दिव्यांगजन बैठकर मंदिर तक जा सकेंगे। तत्पश्चात केन्द्रीय मंत्री व नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने अटल चैराहा से पश्चिम दिशा में 200 मीटर की दूरी पर स्थित भारतीय मानक समय का प्रारंभ होता है। केन्द्रीय मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल नगर विधायक तथा रत्नाकर मिश्र जी ने संयुक्त रूप से सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन किया गया। भारतीय मानक समय का प्रारंभ यहां से होता है। भारतीय मानक समय जो यह अपने जनपद और विंध्य क्षेत्र के लिए बहुत गर्व का विषय है। इस बार जिला प्रशासन ने इस ओर ध्यान दिया और दूर दराज से आए श्रद्धालु यहां से एक अच्छा संदेश लेकर जाए इसलिए इस बार जिलाधिकारी ने इस भारतीय मानक को सेल्फी प्वाइंट बनवाया है। जिसका क्षेत्र में और स्थानीय लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। जब से सेल्फी प्वाइंट बना है तब से स्थानीय लोगों के साथ दूर दराज से आए लोग भी वहां रुककर सेल्फी लेते देखे गए।सेल्फी लेने के लिए वहां पंक्ति बन गया था। इस अवसर जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटर बिन्द, मंडलायुक्त डॉ मुथुकुमार कुमार स्वामी बी, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकांत प्रजापति, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, उपजिलाधिकरी सदर चंद्रभानु सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर परमानंद कुशवाहा, सहायक पर्यटक अधिकारी नवीन कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अंगद गुप्ता पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री श्रीमती रेखा वर्मा, प्रदेश सचिव आनंद सिंह पटेल, प्रदेश सचिव सोनू सिंह, प्रदेश महासचिव आईटी मंच दुर्गेश पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच रामवृक्ष बिंद, जिला अध्यक्ष युवा मंच उदय पटेल, जिला अध्यक्ष आईटी मंच हेमंत कुमार बिंद, जिला अध्यक्ष व्यापार मंच अशोक पटेल, नगर विधानसभा अध्यक्ष विजय शंकर केसरी, नगर विधानसभा महासचिव महिला मंच श्रीमती नमिता केसरवानी, सुश्री रोशनी खान, नगर जोन अध्यक्ष रतन जयसवाल, विंध्याचल सेक्टर अध्यक्ष विशंभर पांडे, जिला महासचिव श्याम बली पटेल, हर्षित पटेल, विनोद कुमार पटेल, नसीम कुरेशी, आरिफ अली मंदसूरी, दीनदयाल साहनी, रवि मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चैहान सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

5 अक्टूबर को खेला जाएगा विश्व कप 2023 का उद्घाटन मैच, टूर्नामेंट का फाइनल यहां आयोजित होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप

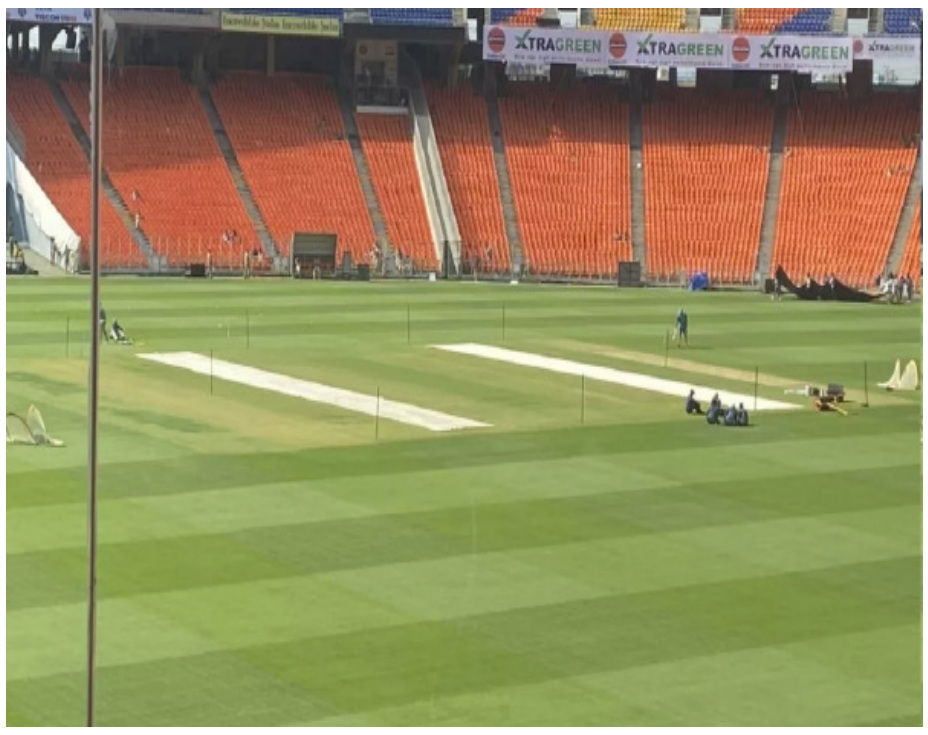

के मैच 12 शहरों में होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व कप की शुरुआत पांच अक्टूबर से होगी और फाइनल मैच 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अहमदाबाद के अलावा बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर, राजकोट और मुंबई में इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच कराए जाएंगे। 46 दिनों तक चलने वाले विश्व कप में कुल 48 मैच होंगे, जिसमें तीन नाकआउट मैच शामिल हैं। फाइनल मैच को छोड़कर बीसीसीआइ ने अब तक किसी भी मैच के लिए स्थल तय नहीं किए हैं। इसके अलावा इस पर भी अंतिम फैसला नहीं हुआ है कि टीमें किन शहरों में अभ्यास मैच खेलेंगी। माना जा रहा है कि उस वक्त देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून का प्रभाव होने से स्थल तय करने में देरी हो रही है। आमतौर पर आइसीसी विश्व कप के कार्यक्रमों की घोषणा कम से कम एक साल पहले कर देता है, लेकिन इस बार वह बीसीसीआइ से भारत सरकार से जरूरी मंजूरी मिलने का भी इंतजार कर रहा है। इसमें दो प्रमुख मुद्दे शामिल हैं, टूर्नामेंट के लिए कर में छूट प्राप्त करना और पाकिस्तान टीम को वीजा की मंजूरी देना।समझा जाता है कि पिछले सप्ताह दुबई में आइसीसी की बैठक के दौरान बीसीसीआइ ने क्रिकेट की वैश्विक संस्था को भरोसा दिलाया है कि भारत सरकार की ओर से पाकिस्तानी दल को वीजा की मंजूरी दी जाएगी। जहां तक कर में छूट के मुद्दे की बात है, आश है कि बीसीसीआइ जल्द ही भारत सरकार की इस बारे में राय को लेकर आइसीसी को अपडेट देगा।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान दिग्गज खिलाड़ी की वापसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अफगानिस्तान की टीम

शारजाह में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगी। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 24 मार्च को खेला जाएगा। 21 साल के अनकैप्ड खिलाड़ी सेदीकुल्लाह अटल को इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। अनुभवी बल्लेबाजों रहमत शाह और हजरतुल्लाह जजई को टीम से बाहर कर दिया गया है। नांगयाल खरोती के साथ जाहिर खान और निजात मसूद को रिजर्व में रखा गया है। अफगानिस्तान स्क्वाड में पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी की वापसी हुई है। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में अफगानिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद नबी ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। मगर उन्होंने साथ ही कहा था कि देश के लिए वो खेलते रहना चाहते हैं। हालांकि, यूएई के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में नबी को बाहर करके प्रबंधन ने फैंस को चौंका दिया था। एसीबी के सीईओ नसीब खान ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम का समर्थन किया और कहा कि चयनकर्ताओं ने सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया है।

यूपी वॉरियर्स को रौंदकर आईपीएल के फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स खिताब की ओर बढ़ाया मजबूत कदम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग का 20वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स के बीच मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला गया। इस मैच

में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी टीम को 5 विकेट से करारी शिकस्त देते हुए फाइनल में जगह बना ली है। बता दें कि दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। इसके बाद 139 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली टीम ने 17.5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल करे ंइथ् के फाइनल में जगह बनाई। दरअसल, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने आई दिल्ली कैपिटल्स (अत्प् ण्ैज्ॅ्ॅ) की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। टीम की तरफ से ताहिला मैक्ग्रा ने 32 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 58 रनों की पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा एलिसा हीली ने 36 रन, श्वेता सहरावत ने 19 और सिमरन शेख ने 11 रन बनाए वहीं, किरण नवगिरे ने 2, दीप्ति शर्मा ने महज 3 रन बनाए। ऐसे में पूरी टीम रन बनाने में फ्लॉप नजर आई। दिल्ली टीम की तरफ से ऐलिस कैप्सी ने 3 विकेट, जबकि राधा यादव ने 2 और जेस जॉनसन को एक सफलता मिली। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स टीम की कप्तान मेग लैनिंग ने 23 रनों का सामना करते हुए 39 रनों की पारी खेली। शेफाली वर्मा ने 16 गेंदों पर 21 रन बनाए। मैच में जेमिमा रोड्रिग्स का बल्ला खामोश नजर आया। जेमिमा महज 3 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुई इसके मरिजान कैप और एलिस कैप्सी ने टीम की पारी को संभाला और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई। कैप्सी ने 34 रन बनाए। जेस जोनासेन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटी। मरिजान कैप ने 34 रनों की पारी, तो अरुंधति रेड्डी बगैर खाता खोले नाबाद रहीं इस तरह से दिल्ली ने 17.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल करते हुए यूपी को 5 विकेट से हराया और ंइथ् के फाइनल में एंट्री की। दिल्ली टीम ने जीत के साथ ही प्वाइंट्स टेबल के पहले स्थान पर कब्जा किया। टीम 8 मैच में से कुल 6 में जीत के साथ 12 अंक से साथ पहले पायदान पर विराजमान है।

फैंस के दिलों पर छाई गुरू-चेले की जोड़ी, आईपीएल 2023 के पहले मैच से पहले ही बिक गई सारी टिकटें

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। क्रिकेट के महाकुंभ यानी 'इंडियन प्रीमियर लीग' के 16वें संस्करण के आगाज में अब

महज कुछ ही दिनों का वक्त बाकी है। इस टूर्नामेंट का आगाज 31 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा, जहां पहला मुकाबला पिछले सीजन की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात जायंट्स और आईपीएल की ट्रॉफी 4 बार उठाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है बता दें कि क्रिकेट फैंस को इस टूर्नामेंट के पहले मैच का इंतजार इतना है कि मैच से 10 दिन पहले ही सभी टिकटें बिक चुकी है। दरअसल, आईपीएल 2023 का पहला मुकाबला 31 मार्च को गुजरात जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स (उऊ ेन्एख्) के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम है, जिसमें करीब 1 लाख 32 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता हैबता दें कि आईपीएल अब फिर से अपने पहले वाले फॉर्मेट में खेला जाएदा, जिसमें सभी फ्रेंचाइजी अपने होम-ग्राउंड के साथ-साथ दूसरे टीमों के घर में भिड़ेगी। इसलिए, इस नए सीजन में अपनी टीमों को घर में खेलता हुआ देखने के लिए प्रशंसकों के बीच टिकटों की होड़ सी लगी हुई है। ऐसे में टूर्नामेंट के पहले मुकाबले की सभी टिकटें 10 दिन पहले ही बिक चुकी है। दरअसल, यह कयास लगाया जा रहा है कि ये टूर्नामेंट महेंद्र सिंह धोनी क आखिरी सीजन हो सकता है। ऐसे में धोनी के फैंस गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले पहले मैच देखने के लिए इतने ज्यादा उत्साहित है, कि मैच की सभी टिकट बिक चुकी है। बता दें कि गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 में अपने डेब्यू सीजन में ही आईपीएल का खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस मैच में हार्दिक पांड्या की गुजरात टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से मात दी थी। जबकि सीएसके टीम का आईपीएल 2022 का प्रदर्शन खास नहीं रहा था। पहले सात मैचों में सीएसके टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल इतिहास में एक भी शतक नहीं जड़ सके ये 5 स्टार भारतीय खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।इंडियन प्रीमियर लीग (घ्इथ् 2023) के 16वें संस्करण की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 31 मार्च से इस लीग का आगाज

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है, जिसके लिए सभी 10 टीमों ने अपनी कमर कस ली है बता दें कि आईपीएल में अब तक कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है, जो अपनी प्रतिभा दिखाते हुए पूरी लीग में धमाल मचाते है और हर किसी के फेवरेट बन जाते है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं उन 5 भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में तो जमकर शतकों की बौछार लगाई हैं, लेकिन आईपीएल में उनके खाते में अब तक एक भी शतक नहीं आया लिस्ट में पहले नंबर पर है भारतीय टीम के पूर्व ओपनर युवराज सिंह का नाम, जिन्होंने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर में 6 गगनचुंबी छक्के जड़ने का कारनामा किया था, लेकिन हैरानी की बात यह है कि युवी ने अपने आईपीएल करियर में एक भी शतक नहीं जड़ा। हालांकि, उन्होंने 13 अर्धशतक जरूर ठोके और साल 2008 से 2019 तक आईपीएल में 132 मैच खेलते हुए 2750 रन बनाए लिस्ट में दूसरे नंबर पर है टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का नाम, जिन्होंने लीग की शुरुआत से ही सबसे ज्यादा छक्के जड़ने के कारण पसंद किया जाता है, लेकिन सीएसके टीम में शामिल होने से लेकर अब तक धोनी आईपीएल में एक भी शतक नहीं जड़ पाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 84 रन रहा है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर है पूर्व भारतीय खिलाड़ी और आईपीएल के सबसे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहे गौतम गंभीर का नाम, जिन्होंने आईपीएल में कुल 154 मैच खेलते हुए 4217 रन बनाए हैं, लेकिन इस टूर्नामेंट में शतक का सूखा वह खत्म नहीं कर पाए है। लिस्ट में चौथे नंबर पर है टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का नाम, जिन्होंने आईपीएल में आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेल खेले है। आईपीएल के पहले छह सीजन तक राहुल ने 89 मैच खेल और पूरे टूर्नामेंट में कुल 11 अर्धशतक जड़े, लेकिन शतक जड़ने में द्रविड़ नाकाम रहे। पांचवें और आखिरी नंबर पर है टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का नाम, जिन्होंने आईपीएल में कई मैचों में मैच विनिंग परफॉर्मेंस कर टीम को जीत दिलाई है, लेकिन आईपीएल में शतक लगाने में वह फेल रहे हैं। कार्तिक ने आईपीएल में अबतक कुल 20 अर्धशतक जड़े है और कुल 229 मैच खेलते हुए उन्होंने 4376 रन बनाए हैं।

शतक ने उड़ाए कैरेबियाई गेंदबाजों के होश, मेजबान टीम ने 1-1 से बराबर की ओडीआई सीरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी और निर्णायक मैच पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका टीम ने वेस्टइंडीज को मात देकर सीरीज

1-1 की बराबरी की। साउथ अफ्रीका की कप्तान ऐडन मार्करम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज टीम ने निर्धारित 50 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 260 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी साउथ अफ्रीका टीम ने 29.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल किया और 4 विकेट से मैच के साथ सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म की। दरअसल, टॉस जीतकर वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने 72 गेंदों का सामना करते हुए 72 रनों की पारी खेली, जिसमें कुल 11 चौके और 1 छक्के शामिल रहे। काइल मेयर्स ने 22 गेंदों का सामना करते हुए 14 रन बनाए। टीम की तरफ से निकोलस पूरन ने 41 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके अलावा जेसन होल्डर ने 36 रन बनाए। इस तरह साउथ अफ्रीका टीम ने 48.2 ओवर में 260 रन बनाए। 260 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम की तरफ से सलामी बल्लेबाज रायन रिकलटन ने 10 गेंदों का सामना करते हुए 3 रनों की पारी खेली। टोनी डीजॉर्जी ने 22 गेंदों का सामना 21 रन बनाए। टीम की तरफ से हेनरिक क्लासेन ने 61 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा मार्को यानसन ने 33 गेंदों पर 43 रनों की पारी खेली और टीम को लक्ष्य हासिल करने में अहम योगदान दिया।

राशिफल

मेष-:आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आएगा. आपकी किसी मित्र के घर धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते है।

वृष-:आज का दिन व्यक्तिगत संबंधों में मजबूती लेकर आएगा. आपके अंदर कुछ एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने संसाधनों के कामों पर भी ध्यान देंगे।

मिथुन-:आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार में मधुरता बनाए रखें, तभी आप कार्य क्षेत्र में लोगों से आसानी से काम निकाल पाएंगे।

कर्क-:आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपकी करियर में कच्ची विरोध हो सकती है और आपको उन्नति करने का भी मौका मिलेगा।

सिंह-:आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. आपको अपने अनुभव का पूरा लाभ मिलेगा और प्रशासन के कार्य में आप तेजी बनाए रखें।

कन्या-:आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है. आपकी आध्यात्मिक विषयों के प्रति रुचि बढ़ेगी और आप कुछ धार्मिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

तुला-:आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है. आपका मान सम्मान बढ़ेगा और आप कुछ कामों में निसंकोच आगे बढ़ेंगे, जो आपके लिए समस्या दे सकते हैं।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है. आपको एक से अधिक स्त्रोतों से लाभ लाभ मिल सकता है और साझेदारी में काम करके आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

धनु-:आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है, लेकिन यदि आपने किसी पर आंख मूंदकर भरोसा किया, तो वह आपको नुकसान दे सकता है।

मकर-: आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ शत्रु आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे।

कुंभ-:आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। घर परिवार में आपकी सहजता बढ़ेगी. आपकी आज कोई मूल्यवान वस्तु चोरी हो सकती है, जिसके लिए आप सावधानी बरत।

मीन-:आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा. आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे और कोई कानूनी मामला आज आपके लिए समस्या बन सकता हैं।

नीदरलैंड ने उलटफेर करते हुए जिम्बाब्वे को दी मात, तेजा निदामनुरु ने जड़ा करियर का पहला शतक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हरारे स्पोर्ट् क्लब में 21 मार्च को जिम्बाब्वे और नीदरलैंड्स के बीच खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले

मुकाबले को नीदरलैंड्स ने 3 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही नीदरलैंड्स ने सीरीज पर 1-0 की बढ़त बनाई। मैच में टॉस जीतकर नीदरलैंड्स ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे टीम 47.3 ओवर में 249 रन पर ऑलआउट हुई। इसके बाद 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स टीम ने तेजा निदामनुरु की शतकीय पारी के दम पर पहला वनडे मैच 1 गेंद शेष रहते ही 3 विकेट से जीत लिया दरअसल, मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज इनोसेंट काइया 12 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौटे। क्रेग एर्विन ने 5 गेंदों का सामना करते हुए 4 रन की छोटी पारी खेली। गैरी बैलेंस भी महज 4 रन ही बना सके। ऐसे में टीम का टॉप आर्डर फ्लॉप रहा। इसके बाद सिकंदर रजा ने 22 रनों की पारी खेली। क्लाइव मडांदे ने 98 गेंदों का सामना करते हुए 74 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 6 छक्के शामिल रहे। इसके अलावा वेलिंग्टन मसाकाद्जा और रिचर्ड एनगरावा ने टीम के स्कोर में अहम योगदान देते हुए टीम का स्कोर 249 रन तक पहुंचाया। क्लाइव मदांडे ने जड़ा अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक क्लाइव मडांडे ने नीदरलैंड्स के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 98 गेंदों का सामना करते हुए 74 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। यह उनके करियर का पहला वनडे अर्धशतक रहा। वहीं मंडाडे ने अपने चौथे वनडे मैच में पहला अर्धशतक जड़ा और टीम को स्कोर खड़ा करने में मदद दी।250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स टीम के सलामी बल्लेबाज विक्रमजीत संह ने 21 गेंदों का सामना करते हुए 8 रन बनाए। टीम की तरफ से कॉलिन ऐकरमैन ने 72 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली। इसके बाद तेजा निदामनुरु ने 96 गेंदों का सामना करते हुए 110 रनों की आतिशी पारी खेली और टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर दिया।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की बदहाली के सबक मानवीय संवेदनशीलता का ह्रास राष्ट्र को भी अंदर से बना देता है खोखला

भारत ने तुर्किये को भूकंप जनित घोर संकट के समय जिस तत्परता से सहायता पहुंचाई, उसकी वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हुई, लेकिन पाकिस्तान ने इसकी कोई प्रशंसा नहीं की। जहां भारत ने एक बार फिर से मानवीय संवेदना का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं हमारे पड़ोसी ने फिर से वही ईर्ष्या और द्वेष को प्रकट किया। पाकिस्तान अपने को इस्लामी देश कहता है, लेकिन दूसरे इस्लामी देश को जाने वाली आपातकालीन सहायता में रोड़े अटकाने में नहीं हिचकता। दिवालिया घोषित होने की कगार पर खड़ा यह देश इन दिनों पूरे विश्व में सहायता मांग रहा है, लेकिन भारत को हजारों जख्म देने की नीति में कोई बदलाव नहीं कर रहा है। सत्ता से बेदखल होने के बाद हताशा और निराशा में डूबा हुआ विपक्ष आज चाहता है कि पाकिस्तान को परिवार माना जाए। वह कहे या न कहे, लेकिन भारत वहां सहायता पहुंचाए। हालांकि देश का जनमानस इसके लिए तैयार नहीं है। क्या भारत को यह भूल जाना चाहिए कि 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में हमला किसने कराया था? उसके अपराधी पाकिस्तान में आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। अपने यहां अल्पसंख्यकों का लगभग सफाया करने वाला पाकिस्तान भारत के मुसलमानों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चिंता व्यक्त करता है और हंसी का पात्र बनता रहा है। किसी भी देश को सहायता देने के लिए सर्वोत्तम नीति-निर्देश यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में निहित है। यक्ष से युधिष्ठिर कहते हैं कि दान सुपात्र को ही देना चाहिए। जाहिर है भारत के लिए पाकिस्तान अब सुपात्र की श्रेणी में नहीं आता। किसी भी निष्पक्ष अध्ययन में यह स्वीकार्य होगा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहराई तक पैठ बना चुकी हैं। वर्ष 1947 में भारत के मुसलमानों के लिए एक सुरक्षित देश निर्मित करने की अपरिपक्व जिद पर विभाजन की त्रासदी लादकर बनाए गए पाकिस्तान की वर्तमान दयनीय स्थिति से आज सारा विश्व अवगत है। दरअसल पाकिस्तान के इस्लामी शासक कभी भी अन्य मतावलंबियों के प्रति दुर्भावना से मुक्त नहीं हो सके। भारत से प्रतिस्पर्धा करने में वे इतने अंधे हो गए कि अपने देश के लोगों के हितों की पूर्ति उनकी प्राथमिकता में ही नहीं रही। यही नहीं, वहां आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक शिक्षा से ही हिंदुओं के प्रति विशेष रूप से घृणा के पाठ पढ़ाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने अन्य सभी पंथों को इस्लाम से निम्नतर मानने के लिए अपने युवाओं को जिस तन्मयता से तैयार किया गया, उसने उसे दुनिया का सबसे असुरक्षित देश तो बना ही दिया, स्वयं पाकिस्तान में हिंसा का साम्राज्य फैला दिया है। पाकिस्तान में जिस प्रकार अल्पसंख्यकों की संख्या घटी, वह मानवाधिकारों के हनन का अत्यंत दुखद अध्याय है। नैतिकता और मानवीय संवेदनशीलता का ह्रास व्यक्ति को ही नहीं, राष्ट्र को भी अंदर से खोखला बना देता है। ऐसे वातावरण में भ्रष्ट आचरण करने वालों को खुली छूट मिल जाती है। अविभाजित भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सभी समुदायों तथा क्षेत्रों की सशक्त भागीदारी रही। खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे देशभक्तों को कौन भुला सकता है जिन्हें विभाजन ने 'भेड़ियों को सौंप दिया' था। गांधीजी द्वारा प्रतिपादित मूल्यों का प्रभाव मत और पंथ से ऊपर उठकर सभी पर पड़ा था। आजादी के बाद के दो-तीन दशकों तक देश में सत्ता और उसके बाहर ऐसे लोग उपस्थित थे, जिन्होंने देश के लिए सबकुछ न्योछावर कर दिया था। युवाओं पर उनका प्रभाव पड़ता था। जो सत्ता में पहुंचकर वहां की चकाचौंध में इन मूल्यों को त्यागना चाहते थे, उनकी भी आंखों में थोड़ी शर्म बाकी थी। इस स्थिति ने ही भारत में लोकतंत्र को पनपने में सहायता की। वहीं पाकिस्तान इससे वंचित रहा, क्योंकि उसके नेतृत्व को व्यक्तिगत लालच ने प्रारंभ से ही जकड़ लिया था। वहां नैतिकता के स्थान पर मतांधता को बढ़ावा दिया गया, जिसके परिणाम सबके सामने हैं। लोकतंत्र की जड़ों को निरंतर खाद-पानी देते रहना भी आवश्यक होती है। भारत में पिछले दशक में जो नीतिगत परिवर्तन हुए हैं, उनके आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पक्षों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं। जो सत्ता में नहीं हैं, मगर पहले रह चुके हैं, उनकी व्यथा तो समझी जा सकती है, लेकिन उनकी सकारात्मक परिवर्तन को देख पाने की क्षमता का पूर्ण ह्रास लोकतंत्र के आगे बढ़ते रहने के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली नगर निगम में पार्षदों के बीच हाथापाई जैसे अनेक उदाहरण न केवल शर्मनाक हैं, बल्कि सामान्य जन द्वारा उनकी भर्त्सना आवश्यक है। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार के भेदभाव की पूर्णरूपेण अनुपस्थिति भारत के अल्पसंख्यकों के मध्य बड़ा सकारात्मक दृष्टिकोण ला रही है।

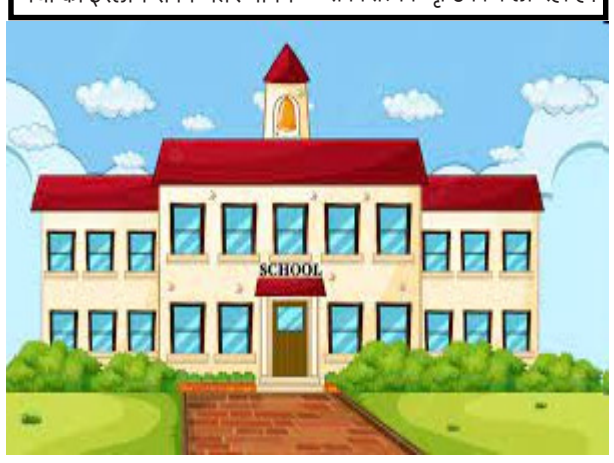

एकजुट होने के बजाय बिखरता विपक्ष, राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता के आसार कहीं से नहीं दिखते

जब भारत जोड़ो यात्रा अपने समापन की ओर बढ़ रही थी तो ऐसा कहने वालों की कमी नहीं थी कि इस यात्रा ने राहुल गांधी को एक परिपक्व नेता के रूप में स्थापित करने का काम किया है। जब यात्रा समाप्त हुई तो ऐसा कहने वालों की संख्या और बढ़ गई। इसी के साथ यह कहा जाने लगा कि अब कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी एकता आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है। पता नहीं राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा से क्या अर्जित किया? यदि कुछ अर्जित किया भी होगा, तो लगता यही है कि उन्होंने उसे लंदन जाकर गंवा दिया। इसलिए नहीं गंवाया कि उन्होंने वहां यह कह दिया कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया और फिर भी अमेरिका और यूरोप बेपरवाह हैं। यह तो उन्होंने कहा ही था, इसके अलावा यह भी कहा था कि हमारे देश में सिख हैं, मुस्लिम हैं और ईसाई हैं, लेकिन मोदी सरकार इन सबको दोयम दर्जे का नागरिक मानती है। राहुल गांधी कहीं भी कुछ भी कह देते हैं। इंटरनेट के इस जमाने में वह देश में कुछ कहें या विदेश में, इसका उतना महत्व नहीं, जितना इसका कि वह कह क्या रहे हैं? हो सकता है कि कोई और विशेष रूप से कांग्रेसी यह दलील दें कि राहुल गांधी के इस बयान में कुछ गलत नहीं कि भारत में सिख, मुस्लिम और ईसाई दोयम दर्जे के नागरिक हैं, लेकिन कोई भी समझ सकता है कि उनके इस बयान से भारत विरोधी तत्व अवश्य प्रसन्न हुए होंगे। इन दिनों जब भाजपा इस पर जोर दे रही है कि राहुल गांधी लंदन वाले अपने बयान के लिए माफी मांगे तब कांग्रेस यह बताने में लगी हुई है कि 'वह सावरकर नहीं हैं।' सावरकर को कोसना राहुल गांधी का प्रिय शगल है, लेकिन इसमें संदेह है कि वह अपने इस शगल से एक परिपक्व नेता के तौर पर अपनी छवि स्थापित करने में समर्थ हो जाएंगे। वास्तव में वह अपनी ऐसी छवि बना ही नहीं पा रहे हैं और इसीलिए वे विपक्ष की ताकत नही बन पा रहे हैं।

कांग्रेस के लिए यह कहना मजबूरी हो सकती है कि राहुल भविष्य के नेता हैं, लेकिन विपक्ष ऐसा कुछ कहना जरूरी नहीं समझ रहा। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल की भागीदारी को लेकर चाहे जितनी प्रशंसा की जाए, इस यात्रा के समाप्त होने के बाद के घटनाक्रम ने उनकी छवि को वैसा ही बना दिया है, जैसी इस यात्रा के पहले थी। अपनी इस छवि के साथ वह कांग्रेस के सर्वोच्च नेता बने रह सकते हैं, लेकिन विपक्ष के नहीं बन सकते। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि एक-एक करके विपक्षी नेता इसी निष्कर्ष पर पहुंचते जा रहे हैं। बीते दिनों तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए यह कह दिया कि अगर राहुल विपक्ष का चेहरा हैं तो फिर कोई भी नरेन्द्र मोदी को खराब नहीं कह पाएगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राहुल गांधी मोदी की सबसे बड़ी टीआरपी हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच कटुता किसी से छिपी नहीं। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के वक्त मेघालय गए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा का काम आसान करने के लिए ही तृणमूल कांग्रेस चुनाव मैदान में उतरी है। इसके बाद जब कांग्रेस बंगाल के सागरदिघी विधानसभा का उपचुनाव जीत गई तो दोनों दलों के बीच तल्खी और बढ़ गई। ममता के बयान पर बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने उन पर पलटवार करते हुए यह कह दिया कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके बीच राहुल को बदनाम करने के लिए समझौता हुआ है। उनकी मानें तो ममता बनर्जी स्वयं को ईडी और सीबीआइ की कार्रवाई से बचाना चाहती हैं, इसलिए कांग्रेस के खिलाफ हो गई हैं। इस आरोप-प्रत्यारोप से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस करीब नहीं आने वालीं। ममता की तरह समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाए रखने की बात कही है। इसका मतलब है कि सपा अगला आम चुनाव और चाहे जिसके साथ मिलकर लड़े, कांग्रेस का साथ लेकर नहीं लड़ने वाली। कांग्रेस से दूरी बनाने वाले ममता और अखिलेश यादव ही नहीं हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति के नए रूप भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव भी बिना कांग्रेस के विपक्षी दलों को एकजुट करना चाहते हैं। कांग्रेस भले ही बार-बार यह कहे कि उसके बिना विपक्षी एकता संभव नहीं, लेकिन सभी विपक्षी दलों को उसका साथ स्वीकार नहीं। अभी पिछले दिनों जब कांग्रेस ने विपक्षी दलों को लेकर ईडी दफ्तर तक मार्च निकालने की ठानी तो कुल 16 दल ही जुटे। एक दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने इस मार्च से दूरी बनाए रखने में भलाई समझी। दूरी बनाने वालों में तृणमूल कांग्रेस तो थी ही, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी भी थी, जो महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी होने के साथ संप्रग की घटक भी है। विपक्षी दलों के बीच सब कुछ ठीक नहीं और वे एकजुट नहीं, इसका पता तब भी चला था, जब कुछ दलों ने ईडी और सीबीआइ के दुरुपयोग की शिकायत करते हुए एक चिट्ठी लिखी। चिट्ठी लिखने वाले दलों की संख्या केवल आठ थी। इस चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने से इन्कार करने वाले दलों में कांग्रेस भी शामिल थी। विपक्षी दलों के बीच तब भी एका का अभाव दिखा था, जब भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता ने महिला आरक्षण को लेकर दिल्ली में धरना दिया। इस धरने में 17 दल शामिल हुए और जिन दलों ने उससे दूरी बनाई उनमें कांग्रेस भी थी। यह सब घटनाक्रम कहीं से भी यह इंगित नहीं करता कि विपक्षी दल एकजुट हो रहे हैं और वह भी राहुल गांधी के नेतृत्व में।

इस्लामी देशों की दुर्दशा का दुष्चक्र, उन्नति, खुशहाली और सामाजिक शांति के लिए शरीयत के कायदे छोड़ना आवश्यक

आर्थिक बदहाली के शिकार पाकिस्तान की हालत पर तरस खाकर हाल में एक राष्ट्रवादी व्यक्ति ने उत्साहित होकर इस पड़ोसी देश को अनाज भेजने का सुझाव दिया। हालांकि, यह तार्किक नहीं। पाकिस्तान की समस्या उसके जन्म के कारण से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। दरअसल पाकिस्तान का निर्माण जिस इस्लामी अवधारणा के आधार पर हुआ, उसमें आर्थिक

चिंतन जैसी कोई चीज ही नहीं है। कुरान और हदीस में पूरी चिंता सबको मुसलमान बनाने और दुनिया पर इस्लामी एकाधिकार की है। इस बीच, जब जहां भी इस्लामी सत्ता कायम हुई, वहां टैक्स वसूल कर राज करना, आगे ऐसे हमले जारी रखना और कब्जा करने का ही रक्तरंजित इतिहास रहा है। किसी इस्लामी राज्य के मुख्यतः चार आर्थिक स्रोत रहे हैं। खाम (लूट का माल), खिराज (कब्जा किए क्षेत्र में किसानों से टैक्स), जजिया (काफिरों से टैक्स) और जकात (मुसलमानों से चंदा या दान)। इसके अतिरिक्त कोई अन्य आर्थिक माडल इस्लामी किताबों में नहीं मिलता। चूंकि मुस्लिम अपने पैगंबर और मूल इस्लामी ग्रंथों को ही संपूर्ण मानते हैं, इसलिए वे इस माडल से बाहर निकलकर सुधार नहीं कर सकते। वह इस्लाम-विरुद्ध होगा, जिस पर उन्हें कट्टरपंथियों का कोप झेलना पड़ेगा। जहां तक आर्थिक तंगी की बात है तो पैगंबर ने उसका भी दो-टूक समाधान दिया और वह यह कि, 'इस दुनिया का धन-असबाब बेमतलब है। जन्नत में इससे बढ़कर सब कुछ है। काफिर पर्शियनों और रोमनों के पास धन-दौलत आदि इस धरती पर अच्छे कर्मों के फल हैं और यहीं तक सीमित रहेंगे। जबकि मुसलमानों को जन्नत मिलेगी।' (हदीस बुखारी)। पैगंबर की पत्नियों को भी आरामदेह चीजों की कमी पर वही सलाह मिली (कुरान, 33:28)। इस प्रकार, इस्लाम इस धरती पर आर्थिक-सामाजिक उन्नति के विचार से ही पल्ला झाड़ता है। जो मिलेगा, वह जन्नत में। युवा जिहादियों को भी इसी लालसा से प्रेरित किया जाता है। ऐसे में यदि किसी मुस्लिम देश को यूरोप, अमेरिका, जापान, चीन या भारत की तरह आर्थिक, सामाजिक उन्नति की चाह हो, तो उसे खुद को इस्लाम की इस राह से अलग करना होगा।चूंकि इस्लामी मतवाद में कोई मध्यमार्ग नहीं, इसलिए अंततः मुस्लिम शासक तरह-तरह की मुसीबतों में फंसते हैं। यह पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि सभी मुस्लिम देशों का दुष्चक्र है। कुछ देशों में जरूर प्राकृतिक संपदा और गैर-मुस्लिमों का उपयोग कर अर्थव्यवस्थाएं बेहतर चल रही हैं। पाकिस्तान बनने से पहले लाहौर, कराची और मुल्तान आदि भी शैक्षिक-आर्थिक-सांस्कृतिक दृष्टि से अग्रणी नगर थे। इन शहरों में ऐसी गतिविधियों के अगुआ मुख्य रूप से हिंदू और सिख थे, लेकिन विभाजन के बाद उन्हें प्रताड़ित कर भगा दिया गया। परिणामस्वरूप उनके साथ ही आर्थिक उन्नति भी पलायन कर गई।स्पष्ट है कि इस्लामी मतवाद और आर्थिक विकास के बीच दुराव-तनाव स्थायी है। उन्नति, खुशहाली, सामाजिक शांति के लिए शरीयत के कायदे छोड़ना जरूरी हैं। जबकि इस्लाम की शान के लिए भौतिक प्रगति की बात ही खारिज करना लाजिमी है। जब भी किसी मुस्लिम शासक ने इस्लामी निर्देशों का परित्याग कर सुधार की ओर कदम बढ़ाए तो ऐतिहासिक अनुभव यही बताते हैं कि वे ज्यादा दूर नहीं जा पाए। कारण यह भी है कि इस्लाम एक अंतरराष्ट्रीय मतवाद है। वह देश की सीमाएं नहीं मानता। इस्लामी उलमा दुनिया भर के मुसलमानों पर दबाव रखते हैं। इसके लिए उनके पास कानून, मानवता या नैतिकता की कोई बाधा नहीं। वे छल, बल और हिंसा आदि हरसंभव तरीके से मुस्लिमों को मूल रास्ते पर टिके रहने के लिए बाध्य करते हैं। अधिकांश मुस्लिम शासक और बुद्धिजीवी भी यह बाध्यता महसूस करते हैं।प्रत्येक विवेकशील मुसलमान भी इस दुष्चक्र को महसूस करता है। जैसे, मिस्र के लेखक इस्लाम अल-बेहेरी ने हाल में 'स्काई न्यूज' को दिए साक्षात्कार में कहा कि इस्लामी मुख्यधारा ही जिहाद को प्रोत्साहित करती है। इसी के चलते आज की हर चीज से इस्लाम को समस्या है- अन्य धर्मों, स्त्रियों, नागरिक मूल्यों, संविधान, मानवीय नैतिकता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, बैंक और ब्याज, अंग-प्रत्यारोपण, तमाम दवाएं, खान-पान और पहनावे से लेकर औपचारिक शिक्षा के अनेक विषयों से भी। इसीलिए हाल के दौर में तुर्की, इराक, सीरिया, ईरान और लेबनान सरीखे कई मुस्लिम देशों की भी दुर्दशा दिख रही है, जो पहले अधिक खुशहाल थे। वास्तव में उनकी समृद्धि का कारण इस्लामी रिवाजों को पीछे छोड़ना और गैर-मुस्लिमों के साथ समानता का संबंध रखना ही था।पाकिस्तान भी एक समृद्ध क्षेत्र है। ऐतिहासिक रूप से वह ज्ञान-विज्ञान-संस्कृति की महान विरासत से जुड़ा है, किंतु वह सब इस्लाम से पहले की हिंदू देन थी। इसी कारण पाकिस्तान में संपूर्ण शिक्षा उसे खारिज करती है। वहां इतिहास पढ़ाया ही नहीं जाता, ताकि 'काफिरों' से जुड़ी गौरवशाली बातें छिपाई जाएं। बदले में जो वर्तमान उन्होंने बनाया, वह पूरी दुनिया में जिहाद का निर्यात एवं कुख्यात मदरसों के रूप में जिहादी फैक्टरियां ही हैं। इसलिए पाकिस्तान की समस्या अनाज की कमी नहीं है। वहां एक महत्वपूर्ण वर्ग मानता है कि इस्लाम से दूर होने से ही वे मुसीबत में पड़े हैं, तो उन्हें पक्का इस्लाम लागू करना चाहिए। पड़ोसी अफगानिस्तान को उन्होंने यही सिखाया और अब उनकी भी वही दुर्गति हो रही है।पाकिस्तान का टूटना भी हमारी समस्या का समाधान नहीं। आखिर 1971 में टूट के बाद भी उसका वजूद बना रहा और वह भारत में जिहादी हमले करवाता रहा। इस सबके बावजूद उसे पश्चिमी और अरब देशों से भारी सहायता मिलती रही। इसीलिए हमें वहां मौजूद समस्या को समग्रता में देखना होगा। परवेज मुशर्रफ ने कहा ही था कि 'भारत के अंदर भी एक पाकिस्तान है, जो अंततः भारी पड़ेगा।' इसलिए, पाकिस्तान का ध्वस्त होना हमारे लिए कोई स्वतः राहत नहीं। यह लड़ाई तो उस मतवाद से है जिससे पाकिस्तान और भारत ही नहीं, दुनिया के असंख्य देश अपनी-अपनी तरह से त्रस्त हैं। तभी पाकिस्तान की समस्या का वास्तविक हल हो सकेगा।

हमें चाहिए भविष्य संवारने वाली शिक्षा, बच्चों को हमारी विरासत की हो पूरी जानकारी जिसपर वो गर्व करें

यदि कोई एक निवेश ऐसा है, जो सही मायने में समाज या देश का उत्थान कर सकता है, तो वह है शिक्षा। अच्छी शिक्षा बेहतरीन डाक्टर, शानदार इंजीनियर, शूरवीर सैनिक, अच्छे बैंकर और महान नेता आदि तैयार करती है। शिक्षा नागरिकों को निजी हितों से आगे बढ़कर देश और दुनिया के लिए कुछ करने का ज्ञान देती है। भविष्य के लिए ऐसी अनुकरणीय शिक्षा की पहली शर्त है पाठ्यक्रम को निरंतर अद्यतन बनाते रहना। एडवांटेज इंडिया' नामक पुस्तक को मैंने डा. एपीजे अब्दुल कलाम के साथ मिलकर लिखा था। इसमें हमने बताया है कि शिक्षा में आने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए हमने दुनिया भर के तमाम शिक्षकों से बात की। हम इस नतीजे पर पहुंचे कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कुल ज्ञान का लगभग आधा हिस्सा हर 13 महीने में अनुपयोगी हो जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि 9वीं कक्षा के किसी बच्चे को भविष्य की तकनीक के बारे में जो कुछ बताया जाता है, उसका लगभग 90 प्रतिशत उसके 12वीं कक्षा पूरा करते-करते बदलना पड़ेगा। 2015 में हमने साथ मिलकर स्कूली छात्रों के लिए एक नया विषय तैयार किया 'द स्टडी आफ फ्यूचर', जहां डा. कलाम ने 15 ऐसे क्षेत्रों की पहचान की थी, जिनके बारे में पढ़ाकर बच्चों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है। इनमें नैनो टेक्नोलाजी, स्पेस टेक्नोलाजी, बायोसाइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और डीप लर्निंग शामिल थे। हमें सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों को ऐसे ही आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाएं। वहीं, शिक्षक स्कूली प्रणाली से या डिजिटल माध्यम से भविष्य के ऐसे विषयों को प्रभावी ढंग से पढ़ा सकें। भारतीय उद्योग जगत को भी चाहिए कि वह ज्ञान को साझा कर और शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर स्कूली स्तर पर भविष्य के लिए ऐसी शिक्षा को तैयार करने में योगदान दें। इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने ही होंगे।जमीनी स्तर पर स्कूली शिक्षा प्रणाली की निगरानी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग एक महत्वपूर्ण पहलू है। पिछले महीने मैंने गुजरात सरकार के गांधीनगर स्थित विद्या समीक्षा केंद्र

का दौरा किया। वहां एक विशालकाय डिजिटल ढांचा है, जो केंद्रीकृत रूप से गुजरात के एक-एक बच्चे के प्रदर्शन की खबर रखता है। बच्चे ने प्रत्येक विषय, प्रत्येक अध्याय और यहां तक कि किसी अध्याय में उसने कितना सीखा, उसमें उसकी भी जानकारी रहती है। जानकारों की एक टीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ की मदद से उपस्थिति, टीचिंग प्लान और 35,000 से अधिक स्कूलों के प्रदर्शन की निगरानी करती है। हमारा दूसरा सुझाव है कि पूरा देश इस प्रणाली से प्रेरणा ले सकता है। छात्रों के प्रदर्शन पर आधारित स्कूलों की निगरानी की इस व्यवस्था को प्राथमिकता से लागू करने की आवश्यकता है।इस दिशा में तीसरा सुझाव है कि हमें शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भरपूर निवेश करना चाहिए। यह गिनती के कुछ शिक्षकों तक ही सीमित न रहे। एक व्यापक प्रशिक्षण में हमारी स्कूली प्रणाली का प्रत्येक शिक्षक शामिल हो। इसके लिए हमें तकनीक को अपनाना होगा। दुनिया के कई देशों में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आभासी वास्तविकता यानी वर्चुअल रियलिटी आधारित कोर्स और वीडियो गेमिंग से सीखने के तरीके शामिल कर उन्नत बनाया जाता है। हमें उच्च कोटि के शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों के निर्माण पर तत्काल निवेश की आवश्यकता है, जहां सभी उपलब्ध आधुनिक तकनीकों का उपयोग हो और इसमें विश्व के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी हो। एक ऐसे केंद्र को स्थापित करने में पांच वर्षों में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जहां अत्याधुनिक विषयों पर उस जिले के शिक्षकों को निरंतर रूप से प्रशिक्षित किया जा सकेगा।चौथी सलाह है कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी हो, जो बच्चों को अपनी विरासत और राष्ट्र पर गर्व करने की शिक्षा दे। वर्ष 1835 में एक ब्रिटिश प्रशासक थामस मैकाले को यह दायित्व सौंपा गया था कि वह भारतीय समाज को यूरोपीय संस्कृति और अंग्रेजी भाषा के सांचे में ढाल दे। यही कारण था कि अंग्रेजों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत वैदिक ज्ञान और भारतीय भाषाओं का अपमान किया। मैकाले ने भारतीयों में ऐसी हीन भावना पैदा की, जो सदियों तक उनमें भरी रही। इसलिए हमने शिक्षा से पाणिनि आदि विद्वानों को बाहर कर दिया और उनकी जगह एडम स्मिथ और शेक्सपियर आदि को ले आए। यह क्रम आज भी जारी है।भारत में ऐसे कई स्कूल हैं, जिनमें स्टूडेंट 'हाउस' का नामकरण कार्नवालिस, डलहौजी और मिंटो जैसे अंग्रेज अत्याचारियों के नाम पर है। अनेक पुस्तकों में 1857 में हुए स्वतंत्रता के पहले संग्राम को 'सिपाही विद्रोह' बताया गया। ऐसे में, जब हम भविष्य की ओर देख रहे हैं, तब यह भी आवश्यक है कि हमारे बच्चों को हमारी विरासत की पूरी जानकारी हो और वे हमारे पूर्वजों की उपलब्धि पर गर्व करें।शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ एक उत्पादक नागरिक तैयार करना ही नहीं होना चाहिए। वह खुश रहने वाले इंसान भी बनाए। इसमें छात्रों को एक ऐसा परिवेश मिले, जहां वे अपनी पूरी क्षमता का लाभ उठा सकें। छात्रों को यदि अपने साथियों और शिक्षकों के साथ अच्छे रिश्ते बनाने का अवसर मिला तो वे साथ मिलकर सीखने की प्रक्रिया में भागीदार बनेंगे। दिल्ली के स्कूलों में हैप्पी स्कूल और हैप्पीनेस करिकुलम की जो अवधारणा शुरू की गई है, उसके मूल में यही लक्ष्य है। संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल से लेकर उत्तराखंड और आंध्र प्रदेश जैसे कई स्थानों में अब ऐसे ही पाठ्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है।इन पाठ्यक्रमों की मूल भावना यही है कि सीखने का दायरा परीक्षा में हासिल अंक या किसी असाइनमेंट में मिले ग्रेड तक सीमित नहीं है। इसमें जागरूकता, भावनात्मक मजबूती और समानुभूति का महत्व भी उतना ही है। अगले दशक में भारत खुद को कहां खड़ा देखता है, यह पूरी तरह से इस पर निर्भर करेगा कि हम अपने बच्चों को भविष्य के लिए कितना तैयार, आत्मविश्वास से ओतप्रोत और गर्व की भावना से भरपूर नागरिक बनाते हैं और इस प्रक्रिया को पूर्ण करने का केंद्र हमारी स्कूली प्रणाली ही होगी।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा की जांच एजेंसी ने चुनावों में चीनी हस्तक्षेप का लगाया आरोप

टोरंटो। ने कनाडा के चुनावों में भी दखल देना शुरू कर दिया है। कनाडा के अधिकारियों ने कनाडा के पिछले दो चुनावों में चीनी हस्तक्षेप के आरोपों की कई जांच शुरू कर दी है। इन आरोपों से बीजिंग इनकार कर रहा है। कनाडाई मीडिया की खबरों से हुए कुछ खुलासे के बाद एक कनाडाई संसदीय

समिति ने राष्ट्रीय चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों की सार्वजनिक जांच के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके तहत कनाडाई चुनावों में चीनी दखल की जांच की जा रही है। इस मुद्दे पर कनाडा द्वारा की गई कुछ जांचें इस प्रकार हैं: विशेष रिपोर्टर जांच प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 15 मार्च को प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए चीन द्वारा कथित चुनाव में हस्तक्षेप की जांच के लिए एक विशेष रिपोर्टर के रूप में एक अनुभवी पूर्व अधिकारी डेविड जॉनसन को नियुक्त किया। पुलिस मीडिया लीक की जांच कर रही है पुलिस ने कहा कि वे उन मीडिया रिपोर्टों की जांच कर रहे हैं जिनमें सूचना सुरक्षा कानूनों के संभावित उल्लंघन के लिए कनाडा के चुनावों में चीनी हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए गुप्त खुफिया जानकारी का हवाला दिया गया है। कनाडा की जासूसी एजेंसी द्वारा मीडिया लीक की जांच कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने कहा है कि वह और अन्य घरेलू सुरक्षा सहयोगी भी मीडिया लीक के स्रोतों की जांच कर रहे हैं। एजेंसी अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट संसद को भी देगी।

नोएडा हॉट में रोजगार सृजन केंद्र की हुई स्थापना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। लघु उद्योग भारती द्वारा नोएडा हॉट में रोजगार सृजन केंद्र की स्थापना की गई एक और जहां

हमारे युवा वर्ग के लिए रोजगार एक बहुत बड़ी समस्या है वही सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए तकनीकी और प्रबंधन के अनुकूल कुशल कामगारों का न मिलना भी उद्योगों की उन्नति में बाधक है इस समस्या के समाधान और स्वरोजगार के लिए युवाओं को प्रेरित करना तथा रोजगार सृजन की आवश्यकता के अवसर तलाशने के उद्देश्य से समान विचारधारा वाले संगठनों जिसमें अग्रणीय स्वदेशी जागरण मंच, लघु उद्योग भारती, भारतीय जनता पार्टी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सहकार भारती, सेवा भारती, भारतीय मजदूर संघ, किसान भारती, विश्व हिंदू परिषद आदि प्रमुख हैं विभिन्न जनपदों में अलग अलग संगठनों को रोजगार सृजन केंद्र खोलने का उत्तरदायित्व दिया गया।गौतम बुध नगर औद्योगिक नगरी होने के कारण लघु उद्योग भारती को यह दायित्व दिया गया जिसके अंतर्गत 21 मार्च को नोएडा हॉट में रोजगार सृजन केंद्र की स्थापना की गई यहां पर युवाओं को रोजगार और बैंक से ऋण संबंधी विभिन्न योजनाओं के बारे में सूचनाएं प्राप्त हो सकेंगी, उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं को कौशल विकास और तकनीकी जानकारी भी प्राप्त कराई जाएगी ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को सामूहिक कार्य करने जैसे सिलाई ब्यूटी पार्लर इत्यादि की जानकारी भी दी जाएगी विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं के साथ मिलकर उद्यमिता विकास विषय में कार्यशाला भी की जाएंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अनिल लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू , उपाध्यक्ष रमन चावला एवं प्रदीप मेहता स्वाबलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक कुलदीप सिंह, लघु उद्योग भारती मेरठ मेरठ संभाग अध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष पवन सिंघल गौतम बुध नगर इकाई अध्यक्ष एलबी सिंह नोएडा अध्यक्ष अमित गोयल, सचिव सत्यवीर सिंह, कोषाध्यक्ष अमित सिंघल, ग्रेटर नोएडा महासचिव संजय बत्रा, उपाध्यक्ष अशोक जैन, जिला इकाई सचिव दिनेश चंदक, अशोक गोयल, अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन लघु उद्योग भारती ग्रेटर नोएडा इकाई के अध्यक्ष एवं स्वाबलंबी भारत अभियान की अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य कुशल पाल सिंह द्वारा किया गया।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 168.96 गीगावाट पहुंची, एनपीएस लाभार्थियों की संख्या 5.67 लाख

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फरवरी 2023 के अंत तक भारत की कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 168.96 गीगावाट के स्तर तक पहुंच गई है। राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता में से 64.38 गीगावाट सोलर ऊर्जा क्षमता, 51.79 गीगावाट हाइड्रो, 42.02 गीगावाट विंड और 10.77 गीगावाट बायो ऊर्जा शामिल है एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए आरके सिंह ने बताया कि 82.62 गीगावाट ऊर्जा क्षमता स्थापना के विभिन्न चरणों में है और 40.98 गीगावाट ऊर्जा टेंडर के विभिन्न चरणों में है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से जनवरी, 2023 तक 3,16,754.86 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इस साल 28 फरवरी तक देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 412.21 गीगावाट थी। सरकार का लक्ष्य 2030 तक गैर जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित बिजली क्षमता हासिल करना है वित्त राज्यमंत्री भागवत किशनराव कराड ने पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद में बताया कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत लाभार्थियों की

संख्या 5,67,116 है और इनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है बता दें कि कई गैर भाजपा शासित राज्य (पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और झारखंड) पुरानी पेंशन की बहाली का एलान कर चुके हैं और पेंशन फंड में जमा कर्मचारियों के हिस्से को लौटाने की मांग कर रहे हैं। पुरानी पेंशन योजना के तहत सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद मासिक पेंशन पाने का हकदार होता है। मासिक पेंशन आमतौर पर व्यक्ति के अंतिम आहरित वेतन का आधा होती है। नई पेंशन योजना के तहत कर्मचारी अपने वेतन का एक हिस्सा पेंशन फंड में जमा करता है ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने मंगलवार को संसद में बताया कि भारत ने अब तक अपनी 29 प्रतिशत जलविद्युत क्षमता का दोहन किया है। हालांकि, अमेरिका और यूरोप क्रमशः 80 प्रतिशत और 70 प्रतिशत जलविद्युत क्षमता का दोहन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि 1978-1987 के दौरान केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा किए गए पुनर्मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, देश में अनुमानित जलविद्युत क्षमता लगभग 1,45,320 मेगावाट (25 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली परियोजनाओं के लिए) है। आरके सिंह ने कहा कि 1,45,320 मेगावाट में से 42,104.6 मेगावाट (29 प्रतिशत) जलविद्युत क्षमता का विकास किया जा चुका है और 15,023.5 मेगावाट (10.3 प्रतिशत) जलविद्युत क्षमता निर्माणाधीन अवस्था में है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में आरके सिंह ने बताया कि 14 मार्च, 2023 तक, देश में थर्मल पावर प्लांट में कुल कोयले का स्टॉक 33.3 मिलियन टन था जो सामान्य स्टाक का केवल 49 प्रतिशत है। उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण पर गठित संसद की एक समिति ने कहा है कि सरकार को राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में बाजारा के उत्पादन और खरीद को प्रोत्साहित करना चाहिए। समिति ने कहा है कि बाजार उगाने का विकल्प चुनने वाले किसानों को हरसंभव मदद प्रदान करनी चाहिए। बाजरा की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को गेहूं और चावल के साथ बाजरा को लेने का भी विकल्प देना चाहिए।

भारत ही नहीं चीन और पाकिस्तान में भी लगे भूकंप के तेज झटके, 6.6 रही तीव्रता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में मंगलवार रात भूकंप के तेज झटके

महसूस किए गए। रात करीब 10:20 पर आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में फैजाबाद से 133 किलोमीटर दूर दक्षिण पूर्व में हिन्दू कुश क्षेत्र में था। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप 156 किलोमीटर की गहराई पर था। भारत के अलावा भूकंप के झटके अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन और किर्गिस्तान में भी महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर के अलावा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड में भी भूकंप के तेज झटके लगे। दिल्ली-एनसीआर में धरती डोलने के चलते इमारतें हिलने लगीं और डर के मारे लोग घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। भूकंप के अन्य झटकों की आशंका के चलते काफी लोग देर रात तक घरों के बाहर खुले में ही डटे रहे। एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप के तुरंत बाद जम्मू क्षेत्र के कुछ हिस्सों में मोबाइल सेवा बाधित हो गई। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में मंगलवार की रात कम से कम 30 सेकंड तक चलने वाला तेज भूकंप महसूस किया गया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 6.5 दर्ज की है। मध्य दिल्ली में कनाट प्लेस के पास मौजूद कैब चालक रमेश पवार ने कहा कि मैं यात्रियों का इंतजार कर रहा था कि अचानक मेरी कार हिलने लगी। मैं तुरंत चिल्लाया और अपने दोस्तों को इसके बारे में बताया। दक्षिणी दिल्ली के लाजपत नगर की रहने वाली ज्योति ने कहा कि वह टेलीविजन देख रही थी, तभी अचानक उन्होंने देखा कि टीवी और सोफा हिल रहे हैं।

इंटरपोल से मेहुल चोकसी को राहत पर सीबीआई की टिप्पणी, कहा- प्रत्यर्पण पर नहीं पड़ेगा फर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पीएनबी में 13 हजार करोड़ रुपये के घोटाला मामले में भगोड़ा हीरा कारोबारी को इंटरपोल से राहत मिलने के बाद सीबीआई ने बयान जारी किया है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि इंटरपोल की फाइलों के नियंत्रण के लिए आयोग (सीसीएफ) से मेहुल के खिलाफ रेड नोटिस बहाल करने को कहा है। इंटरपोल ने सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर ही साल 2018 में चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर

नोटिस जारी किया था। इस फैसले के खिलाफ 2020 में उसकी अपील खारिज कर दी गई थी। सीबीआई ने कहा कि साल 2022 में अपने कथित अपहरण के प्रयास के बाद मेहुल ने सीसीएफ से संपर्क किया। सीबीआई ने कहा कि मेहुल ने सीसीएफ से संपर्क कर रेड कॉर्नर नोटिस हटाने का अनुरोध किया था। चोकसी की याचिका पर ही अंतरराष्ट्रीय संगठन ने ये फैसला लिया है। सीबीआई ने आगे बताया कि सीसीएफ एक इंटरपोल के भीतर अलग निकाय है और ये इंटरपोल सचिवालय के नियंत्रण में नहीं है। मुख्य रूप से इसे विभिन्न देशों के वकीलों द्वारा नियुक्त किया जाता है। सीसीएफ ने चोकसी के अनुरोध का अध्ययन और सीबीआई से परामर्श किया था। सीसीएफ ने मेहुल चोकसी के आवेदन को खारिज कर दिया और फिर इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया था। सीबीआई ने आगे बताया कि इंटरपोल ने सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर दिसंबर 2018 में वांटेड आरोपी मेहुल चोकसी के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। बता दें कि रेड नोटिस जारी होने से पहले ही मेहुल का पता लगा लिया गया था और उसके प्रत्यर्पण के लिए कदम भी उठाए गए थे। हालांकि, रेड नोटिस का प्राथमिक उद्देश्य पहले ही हासिल कर लिया गया था। सीबीआई ने कहा कि वह इस फैसले को लेकर अन्य विकल्पों का इस्तेमाल कर रही है। एजेंसी ने कहा कि मेहुल की प्रत्यर्पण की कोशिशों पर इससे फर्क नहीं पड़ेगा।

अमृतपाल सिंह पर कसा शिकंजा, तीन और साथियों को लाया गया डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डिब्रूगढ़। असम पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अमृतपाल सिंह के तीन और सहयोगियों को मंगलवार को उच्च सुरक्षा वाली डिब्रूगढ़ जेल लाया गया।

अमृतपाल के 'वारिस पंजाब डे' से जुड़े कुल सात सदस्यों को 19 मार्च को यहां लाया गया है, जिसमें हरजीत सिंह भी शामिल हैं, जिन्हें मंगलवार तड़के लाया गया था अधिकारी ने कहा कि डब्ल्यूपीडी के दो सदस्यों की पहचान कुलवंत सिंह धालीवाल और गुरिंदर पाल सिंह के रूप में हुई है, जिन्हें दिल्ली से एक विमान से यहां लाया गया और कड़ी सुरक्षा के बीच डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल ले जाया गया। हरजीत सिंह को गुवाहाटी से सड़क मार्ग के जरिए डिब्रूगढ़ जेल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि सात सुरक्षा वाहनों का एक काफिला हरजीत सिंह को गुवाहाटी हवाई अड्डे से डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल ले गया, जहां उसे सुबह 7.10 बजे रखा गया था। उसने सोमवार तड़के पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हरजीत समेत पांच लोगों पर लगा एनएसए हरजीत सिंह, जिनके बारे में अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने अपने भतीजे को के खातों पर नियंत्रण हासिल करने में मदद की, उन पांच लोगों में शामिल हैं, जिन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाया गया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति को निवारक हिरासत में लेने की अनुमति देता है।इससे पहले रविवार को के चार सदस्यों को डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल लाया गया था, जब पंजाब सरकार ने शनिवार को अमृतपाल सिंह के नेतृत्व वाले संगठन पर एक बड़ी कार्रवाई शुरू की, जो कई आपराधिक मामलों में वांछित है।

वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा- पंजाब और केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा काम सराहनीय

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के विनोद बंसल ने अमृतपाल सिंह मामले के बारे में कहा कि अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस, पंजाब और केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा काम सराहनीय है। देश विरोधी तत्वों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। भारत के झंडे पर हमला करने वाले खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई की जरूरत थी विश्व हिंदू परिषद के विनोद बंसल ने आगे कहा कि जो भी आईएसआई, पाकिस्तान, अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन द्वारा वित्तपोषित है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस घटना का राजनीतिकरण करने वाले नेताओं को दलगत राजनीति की अनदेखी करते हुए इसकी निंदा करनी चाहिए। हम किसी को देश की भावनाओं को आहत नहीं करने दे सकते पंजाब सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, तरनतारन, फिरोजपुर, मोगा, संगरूर के साथ ही अमृतसर के कुछ हिस्सों में 23 मार्च दिन में 12 बजे तक सभी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, सभी एसएमएस सेवाएं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली सभी डोंगल सेवाएं (वॉयस कॉल को छोड़कर) निलंबित रहेंगी। सरकार के मुताबिक, सार्वजनिक सुरक्षा के हित में यह फैसला लिया गया है आपको बता दें कि पंजाब में अमृतपाल सिंह की तलाश जारी है। वहीं उसके समर्थकों की धरपकड़ जारी है। सभी आरोपियों को असम में डिब्रूगढ़ की सेंट्रल जेल में कैद किया जा रहा है। यहीं इनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी को मिली 4 साल की सजा, घातक हथियार से किया था अटैक

वॉशिंगटन। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

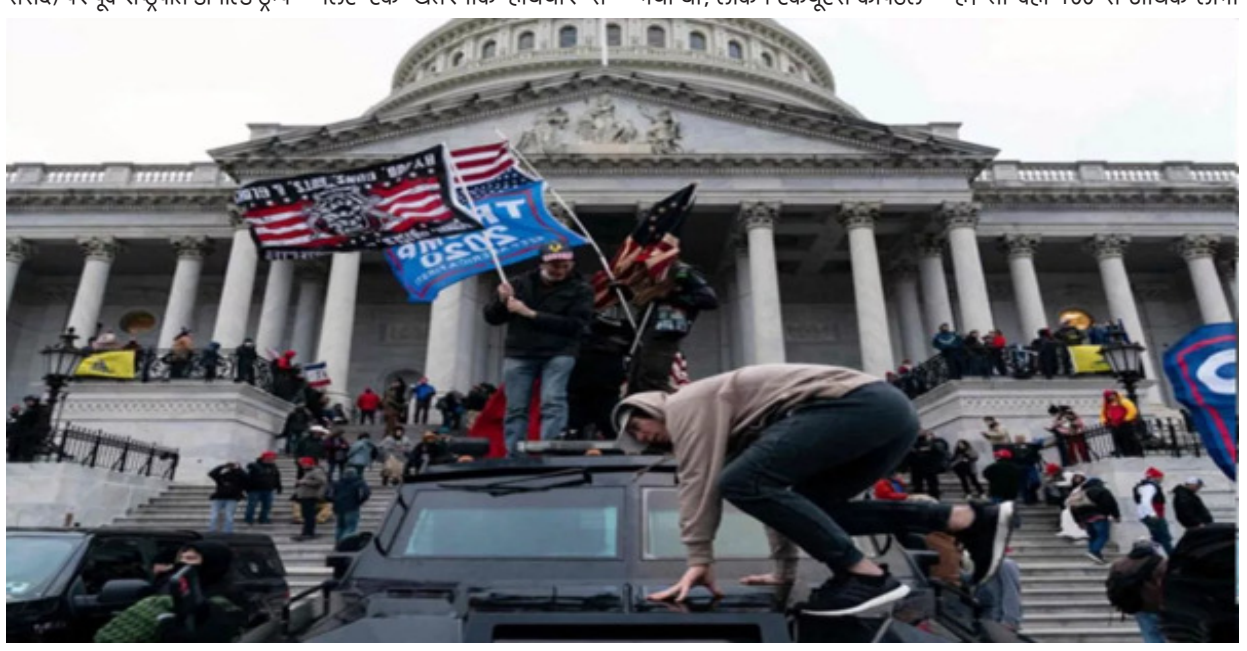

के समर्थकों द्वारा हिंसा की गई थी। जिसमें कई लोग घायल हुए थे। इस हिंसा में वर्जीनिया के एक व्यक्ति को मंगलवार को चार साल से अधिक जेल की सजा सुनाई गई है। वर्जीनिया के रहने वाले पर व्यक्ति पर यह आरोप है कि उसने संसद की रक्षा कर रहे पुलिसकर्मियों पर डंडों से हमला किया था। साथ ही अधिकारियों को भटकाने के लिए एक चमकती स्ट्रोब लाइट का भी इस्तेमाल किया था।वर्जीनिया के मेकेनिक्सविले के जेफ्री सिल्स को कैपिटल की निचली वेस्ट टेरेस सुरंग में हिंसा में अपनी भूमिका के लिए एक खतरनाक हथियार से हमला करने, कांग्रेस की बाधा और डकैती के लिए दोषी ठहराया गया था उसने पुलिस पर जवाबी हमला किया था। जब पुलिस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समर्थकों की गुस्साई भीड़ को वापस मारने की कोशिश में जुटी थी।वर्जीनिया का रहने वाला 31 वर्षीय मेकेनिक्सविले के जेफ्री सिल्स जून 2021 की गिरफ्तारी के बाद से डेढ़ साल पहले ही सलाखों के पीछे रह चुका है। मंगलवार को आरोपी यूएस कैपिटल हिंसा में दोषी पाया गया इसलिए कोर्ट ने माइकल ग्रीन को सोमवार को अन्य सभी गुंडागर्दी के आरोपों से बरी कर दिया गया था, लेकिन एकयूएस कैपिटल हिंसा का दोषी ठहराया गया था।अभियोजकों के अनुसार, वर्जीनिया का रहने वाला आरोपी मेकेनिक्सविले के जेफ्री सिल्स कैपिटल हिल में गैस मास्क और काले चश्मे लगाकर पहुंचा था। उसने पुलिस पर कई पोल जैसी वस्तुओं से हमला किया था। तो वहीं एक अधिकारी से पुलिस की बैटन चुरा ली और कम से कम दो अधिकारियों को बैटन से मारा था।यूएस कैपिटल हिंसा में 300 से अधिक लोगों पर अधिकारियों पर हमला करने, विरोध करने या बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। तो वहीं 100 से अधिक लोगों पर घातक या खतरनाक हथियार का उपयोग करने या गंभीर शारीरिक चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।यूएस कैपिटल हिंसा में आधे से अधिक प्रतिवादियों ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। वहीं, 130 से अधिक ऐसे हैं जिन्होंने संगीन अपराधों के लिए अपना दोष स्वीकार किया है। एसोसिएटेड प्रेस टैली के अनुसार, जिन 400 लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें से आधे से अधिक को सात दिनों से लेकर 10 साल तक की कैद की सजा मिली है।

जो बाइडेन ने निशा बिस्वाल को अमेरिकी वित्त एजेंसी के उप सीईओ के रूप में किया नामित

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी नीति विशेषज्ञ निशा देसाई बिस्वाल को अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त निगम के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नामित किया। बिस्वाल वर्तमान में यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में अंतर्राष्ट्रीय रणनीति और वैश्विक पहल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं, यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल और यूएस बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल की देखरेख करती हैं। उन्हें कार्यकारी शाखा, कांग्रेस और निजी क्षेत्र में अमेरिकी विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है।2013 से 2017 तक अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक सचिव के रूप में कार्य करने के बाद, बिस्वाल ने अभूतपूर्व सहयोग की अवधि के दौरान अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी का निरीक्षण

किया, जिसमें एक वार्षिक यूएस-भारत रणनीतिक और वाणिज्यिक वार्ता का शुभारंभ भी शामिल है।उन्होंने सहायक सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मध्य एशिया और यूएस-बांग्लादेश साझेदारी वार्ता के साथ ण्5 ₹ 1 संवाद की भी शुरुआत की।इससे पहले, वह यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) में एशिया के लिए सहायक प्रशासक थीं, जो पूरे दक्षिण, मध्य और दक्षिण पूर्व एशिया में यूएसएआईडी कार्यक्रमों और संचालन का निर्देशन और पर्यवेक्षण करती थीं। उन्होंने कैपिटल हिल पर एक दशक से अधिक समय बिताया है, विनियोग पर राज्य और विदेशी संचालन उपसमिति के साथ-साथ प्रतिनिधि सभा में विदेश मामलों की समिति के पेशेवर कर्मचारियों के कर्मचारी निदेशक के रूप में काम किया है।बिस्वाल स्वैच्छिक विदेशी सहायता पर सलाहकार समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक संस्थान और यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस इंटरनेशनल एडवाइजरी काउंसिल दोनों के बोर्ड में हैं। वह यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस अफगानिस्तान स्टडी ग्रुप और एस्पेन इंस्टीट्यूट के भारत-यूएस ट्रैक 2 डायलॉग ऑन क्लाइमेट एंड एनर्जी की सदस्य हैं।

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने तू झूठी, मैं मक्कार को दी टक्कर, 'ज्विगाटो' की सर्विस रद्द

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जल्द ही अजय देवगन की फिल्म 'भोला' रिलीज होने वाली है। हालांकि, उससे पहले बॉक्स ऑफिस पर तीन फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। एक तरफ जहां कपिल शर्मा की फिल्म

'ज्विगाटो' बॉक्स ऑफिस पर लगातार संघर्ष कर रही है, तो वहीं रानी मुखर्जी की फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' रणबीर की फिल्म 'तू झूठी, मैं मक्कार' के आगे झुकने को बिल्कुल भी तैयार नहीं है।रानी के जन्मदिन यानी कि 21 मार्च को उनकी फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। मंगलवार को इन तीनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा, जानिए पूरी रिपोर्ट। रानी का जन्मदिन उनकी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए लकी साबित हुआ। बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म में काफी उछाल देखने को मिला। सोमवार को जहां फिल्म महज 91 लाख की कमाई ही कर पाई थी, लेकिन मंगलवार को रानी की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों में कमाई की। इस फिल्म का मंगलवार का कलेक्शन 1.03 करोड़ के करीब हुआ और फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस फिल्म अब तक 8.36 करोड़ के करीब कमाई कर ली है। इसके अलावा दुनियाभर में फिल्म ने 14.45 करोड़ का कारोबार किया। एक तरफ जहां रानी मुखर्जी की फिल्म 'मिसेज चटर्जी, वर्सेज नॉर्वे' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की, तो वहीं दूसरी तरफ कपिल शर्मा की फिल्म 'ज्विगाटो' की बॉक्स ऑफिस सर्विस रद्द हो गई। इस फिल्म ने सोमवार को महज 26 लाख रुपये की कमाई की थी, लेकिन मंगलवार को तो ये फिल्म कुछ भी कमाई नहीं कर पाई। जिस हिसाब से इस फिल्म को तारीफ मिल रही थी, उस हिसाब से ये फिल्म कुछ भी कमाई नहीं कर पाई। बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर-श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'तू झूठी, मैं मक्कार' काफी अच्छी कमाई कर रही है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 167 करोड़ के आसपास कमाई कर ली है और जिस रफ्तार से ये रॉम-कॉम फिल्म आगे बढ़ रही है, ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि फिल्म जल्द ही 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी। इसके अलावा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म की रफ्तार बढ़ रही है। मंगलवार को रणबीर कपूर की फिल्म ने टोटल 2.73 करोड़ की कमाई की और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अब तक 114.27 करोड़ की कमाई कर ली है।

उर्फी जावेद ने बोल्डनेस में तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड कीवी से ढका बदन, भूख लगने पर खा गईं पूरा फल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। उर्फी जावेद को अतरंगी फैशन सेंस के मामले में कोई टक्कर नहीं दे सकता। यह एक्ट्रेस उन चीजों से बने कपड़े पहनती

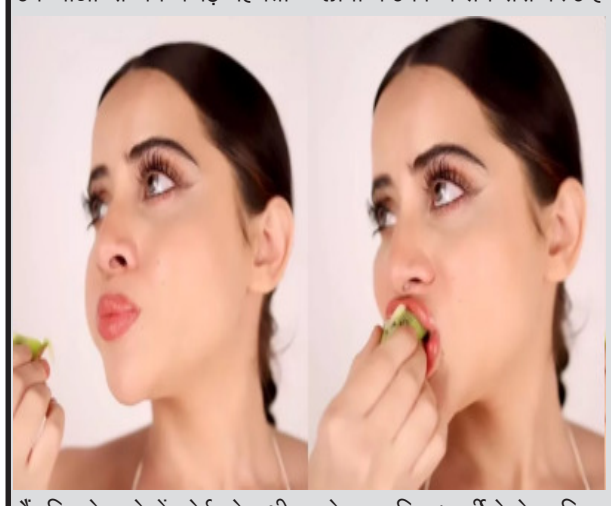

हैं, जिसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। कभी वह सिर्फ घड़ी से बनी स्कर्ट पहनती हैं, तो कभी मोबाइल को लटकाकर बदन ढकती हैं। उर्फी जावेद कुछ भी पहनें, वह अपने कपड़ों के जरिये लोगों का ध्यान खींचना अच्छी तरह जानती हैं। हर बार की तरह इस बार भी एक्ट्रेस एक नए अंदाज में हाजिर हुईं और हमेशा की तरह लोगों ने उनके फैशन सेंस पर उन्हें ट्रोल कर दिया। उर्फी ने शेयर किया यह वीडियो किसी भी मटेरियल से अपने कपड़े बनाने वाली उर्फी जावेद ने इस बार कीवी फल से अपने बदन को ढकने का प्रयास किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें यह देखा जा सकता है कि वह कीवी फल की गोल स्लाइस काटकर और उसे धागे में पिरोकर उन्होंने उसे टॉप बनाकर पहना है।लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने ब्लैक फुल लेंथ पैंट पहनी हुई है। वहीं, मेकअप के नाम पर उन्होंने न्यूड लिपस्टिक और आंखों को आईलाइनर से हाईलाइट किया है। उर्फी जावेद के इस वीडियो पर कुछ यूजर्स ने उनके बोल्ड फैशन सेंस की तारीफ की है, तो कुछ ने हमेशा की तरह उन्हें खरी खोटी सुनाई। एक ने लिखा, ''यह लड़की पैसों के लिए कुछ भी कर सकती है।'' एक यूजर ने उन्हें उनके साथ एडल्ट वीडियो बनाने का ऑफर तक दे दिया। कई यूजर्स ने इस वीडियो पर चुटकी लेते हुए कॉमेडी कमेंट किए हैं। उर्फी के एक फैन ने लिखा, ''मेरी जान मोमोज और बर्गर भी खा लो।'' एक ने लिखा, ''60 रुपये में दो कीवी, वाह यह तो सस्ता ड्रेस है।

जब सारा ने टूटे दिल के साथ मां को बताई थी ब्रेकअप की बात अमृता सिंह ने यूं किया था रिएक्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सारा अली खान को बॉलीवुड में अभी ज्यादा वक्त नहीं

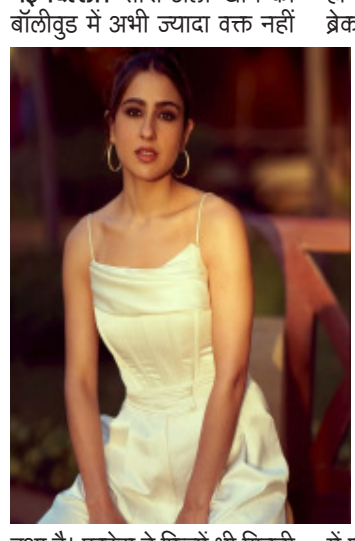

हुआ है। एक्ट्रेस ने फिल्में भी गिनती की है, लेकिन पॉपुलैरिटी के मामले में वो किसी सुपरस्टार से कम नहीं हैं। सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म गैसलाइट का प्रमोशन कर रही हैं। गैसलाइट में उनके साथ विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सेन लीड रोल में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने ब्रेकअप को लेकर बात की और ये भी बताया कि इस पर उनकी मां अमृता सिंह का क्या रिएक्शन था। सारा अली खान ने अब तक कभी भी पब्लिक में अपने रिलेशनशिप और ब्रेकअप की बात कबूल नहीं की है, लेकिन उनका नाम एक्टर कार्तिक आर्यन संग जुड़ चुका है। लव आज कल की शूटिंग के बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें भी सामने आई थी। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर मीडिया में कुछ नहीं कहा। सारा अली खान से जब उनके ब्रेकअप को लेकर अमृता सिंह के रिएक्शन के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने ईटाइम्स के साथ बातचीत में कहा, उन्होंने मुझसे बोला- 'सब ठीक है' (इट्स ओके)। सारा अली खान और कार्तिक आर्यन बीते साल एक बार फिर अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में आ गए थे।

ऐसे गांव की कहानी, जो 1947 में आजादी के बाद भी रहा 'गुलाम', रोंगटे खड़े कर देगा ट्रेलर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा की अनगिनत फिल्मों की पृष्ठभूमि ब्रिटिश हुकूमत के जुल्मो-सितम, आजादी की लड़ाई और वीरों की शहादत रही है। तमाम कहानियों में अलग-अलग नजरिए से भारतीय इतिहास की सबसे अहम घटना को पिरोया गया है। नाटू नाटू के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाली फिल्म आरआरआर की कहानी भी ब्रिटिश हुकूमत से जंग की बैकग्राउंड में दिखायी गयी है। अब दक्षिण भारत से इस विषय पर बिल्कुल अलग कहानी आ रही है, जिसका शीर्षक है- 16 अगस्त, 1947। इस फिल्म का निर्माण तमिल सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एआर मुरुगादौस ने किया है, हिंदी पट्टी में आमिर खान की फिल्म गजनी के लिए जाने जाते हैं। 16 अगस्त 1947 पैन इंडिया फिल्म है, जो दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ

हिंदी और अंग्रेजी में भी रिलीज की जा रही है। इसका ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। जैसा कि फिल्म के शीर्षक से जाहिर है। इसकी कहानी देश को आजादी मिलने के एक दिन बाद के हालात हो दिखाती है। 15 अगस्त, 1947 को देश ब्रिटिश सरकार की गुलामी से आजाद हुआ था। फिल्म में गौतम कार्तिक और डेब्यूटेंट रेवती लीड रोल में हैं। ट्रेलर की शुरुआत सेंगाडु गांव से होती है, जिसे कैपिटल ऑफ स्लेवरी यानी गुलामों की राजधानी कहा जाता है। यहां के लोग अंग्रेज मालिक के गुलाम हैं। देश को आजादी मिल जाती है, मगर इन लोगों को अपनी आजादी के लिए लड़ना पड़ता है। फिल्म का निर्देशन एनएस पोनकुमार ने किया है।16 अगस्त, 1947 सात अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का तमिल ट्रेलर कार्ती ने सोशल मीडिया में शेयर किया है। ट्रेलर को काफी किया जा रहा है। मुरुगादौस ने फिल्मों का निर्माण करने के साथ निर्देशन भी किया है।

जादू-टोना और वशीकरण पर आधारित है खेसारी लाल यादव की 'मेरे नैना तेरे नैना

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा के हिट मशीन कहे जाने वाले सुपरस्टार खेसारी लाल यादव इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' की चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म का ट्रेलर और फर्स्ट लुक हाल ही में रिलीज हुआ है। इस 'मेरे नैना तेरे नैना' फिल्म में खेसारी लाल यादव के साथ खुशबू शर्मा, कामाक्षी ठाकुर, नीना चीमा, रितु शर्मा, निशिकांत दीक्षित और चुन्नू मेहरा मुख्य भूमिका में है। इस फिल्म की कहानी का कथानक जादू टोना और वशीकरण पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर के हिसाब से इसकी कहानी एक अलग ही लेवल की नजर आ रही है। यह फिल्म अवधि में है। फिल्म रहस्यमयी कहानी पर आधारित है। फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' में ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जिसे हिंदी के लोग भी आसानी से समझ सकते हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक भी कुछ ऐसा ही है। इस फिल्म में स्पेशल अपीरियंस में रवि भाटिया नजर आ रहे हैं, जो 'जोधा अकबर' में सलीम की भूमिका से फेमस हुए थे। आकृति इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' का ट्रेलर वेब म्यूजिक के यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर को काफी पसंद किया गया है। फिल्म के निर्माता निर्देशक लाल विजय शाहदेव हैं, जबकि निर्माता राकेश डांग और दीपक सिंहल हैं। सह निर्माता अमृता शाहदेव व मधुकर वर्मा, लेखक लाल विजय शाहदेव व केदार धारवाडकर हैं।

पटना रेलवे स्टेशन पर चला इस एक्ट्रेस का एडल्ट वीडियो इंटरनेशनल लेवल पर पहुंची बात, यूजर्स ने किया यह कमेंट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पूरे देश में इस समय पटना रेलवे स्टेशन चर्चा का विषय बन गया है। इसकी वजह भी खास

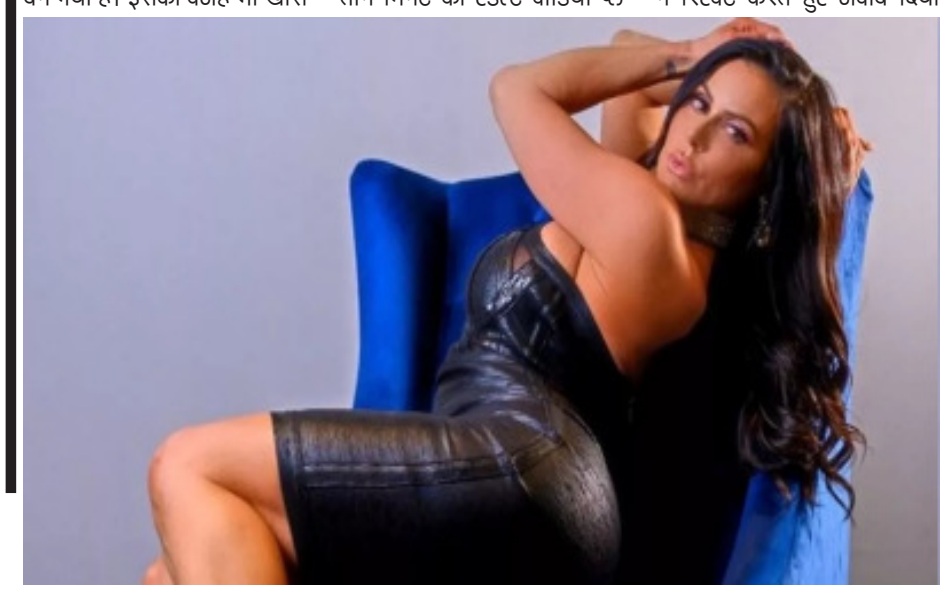

है। वहां के रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जो देखने को मिला, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। दरअसल, ट्रेन के इंतजार में बैठे लोगों को स्क्रीन पर अचानक ही एडल्ट वीडियो देखने को मिला। जैसे ही यह वीडियो चला, स्टेशन पर हल्ला मच गया। यह मामला इतना बढ़ गया कि ट्विटर पर ट्रेंड तक करने लगा। यह इस ट्रेंड का ही कमाल है कि मामला सात समंदर पार भी पहुंच गया है। विदेशी एक्ट्रेस ने इस मामले में ट्वीट किया है। सोशल मीडिया पर छाया पटना रेलवे स्टेशन पटना रेलवे स्टेशन पर कुछ सेकेंड का नहीं, बल्कि पूरे तीन मिनट का एडल्ट वीडियो प्ले हुआ। पटना जंक्शन पर इस अजीबोगरीब घटना की हर ओर निंदा हो रही है। इस मामले में रेलवे की ओर से संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है।वहीं, एडल्ट स्टार केंड्रा लस्ट (खर्ट्टे थ्ल्ले) भी इस मामले में कूद पड़ी हैं। उन्होंने अपनी फोट के साथ 'इंडिया' लिखते हुए ट्वीट किया। इसी के साथ उन्होंने बिहार रेलवे स्टेशन हैशटैग में इस्तेमाल किया है। उनके पोस्ट पर लोगों ने अलग-अलग तरह के कमेंट किए हैं। कई लोगों ने उनके पोस्ट पर मौज ली है। एक यूजर ने लिखा, ''वो तुम्हारा वीडियो था, क्या तुम्हें पता है?'' इस पर एक्ट्रेस ने रिएक्ट करते हुए जवाब दिया कि मुझे उम्मीद है। एक अन्य ने लिखा, ''मैम क्या तो परफॉर्मेंस थी। मैं कल तक आपके बारे में कुछ नहीं जानता था। लेकिन जब मैं पटना रेलवे स्टेशन पर था, तो आपका वीडियो देखा, और मेरे दोस्त ने आपके बारे में बताया। अब हम आपकी फिल्में हर वक्त देखते हैं।एक यूजर ने लिखा, ''अब तुम्हारे वीडियोज इंडिया में फेमस हो जाएंगे।'' इस पूरे मामले को लेकर फनी मीम्स भी वायरल हो रहे हैं।

एयरपोर्ट पर रोके गए करण जौहर हड़बड़ी में दिखे फिल्ममेकर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एंडस्ट्री की कोई भी चर्चा करण जौहर के बिना अधूरी है। चाहे उनकी फिल्मों से जुड़ी कोई बात हो या फिर पर्सनल लाइफ से जुड़ा कोई गॉसिप, करण जौहर सुर्खियों में बने रहना अच्छे

से जानते हैं। यह निर्देशक जितना अपनी फिल्मों को लेकर सजग रहते हैं, उतना ही अपनी फैशन सेंस के लिए भी जाने जाते हैं। फिर चाहे उनका एयरपोर्ट लुक हो या किसी फंक्शन का लुक। बात जब करण जौहर के एयरपोर्ट लुक की हो रही है, तो बता दें कि उनका एक वीडियो सामने आया है, लेकिन इसमें वह अपने लुक के लिए नहीं बल्कि मनमर्जी के लिए एक ट्रोल किए गए हैं। उनके अंदाज को देख फैंस ने उन्हें लताड़ लगाई है। दरअसल, करण जौहर जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंचे, वह जल्दी से गेट के अंदर घुसने लगे। इस दौरान उन्हें सिक्योरिटी ने रोक लिया और पेपर्स दिखाने के लिए कहा। इसके बाद अपने बैग से करण जौहर को कागजात निकालने में भी समय लग गया। फिर क्या था, इसी बात पर नेटिजंस ने और जी क्लास लगाना शुरु कर दी। करण जौहर के इस बिहेवियर पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी क्लास लगा दी है। एक ने लिखा, ठइन सेलेब्स को लगता है की है सिक्योरिटी चेक की जरूरत नहीं है। यह रूल्स फॉलो करना जरूरी नहीं समझते।ठ एक अन्य युवक ने कमेंट किया की करण कैटवॉक करने में इतनी बिजी थे कि पेपर दिखाना ही भूल गए। एक सोशल मीडिया यूजर ने मजाकिया अंदाज में कमेंट किया, ठचश्मा इतना बड़ा पहन लिया है कि कुछ दिख ही नहीं रहा। कास्ट आलिया भट्ट और रणवीर सिंह हैं।

प्रियंका के फैंस के लिए गुड न्यूज, बिग बॉस 16 के बाद इस रियलिटी शो में नजर आएंगी एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस 16 से घर-घर में फेमस हो चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों काफी ज्यादा डिमांड में हैं। इस रियलिटी शो को करने के बाद उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। एक्ट्रेस को कई शो के ऑफर आने शुरू हो गए हैं। एकता कपूर के 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए अप्रोच किया गया है। वहीं, रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले 'खतरों के खिलाड़ी' की अगली फ्रेंचाइजी का ऑफर भी उनकी झोली में आया है। प्रियंका चाहर चौधरी, बिग बॉस खत्म होने के बाद कई पार्टीज में देखी गईं। उन्हें मंडली के सदस्यों के साथ भी मौज मस्ती करते देखा गया। उनके ग्लैमरस अवतार की भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। इस बीच एक्ट्रेस से जुड़ी एक खबर सामने आई है, जिसे जानने

के बाद उनके फैंस खुशी से झूम उठ सकते हैं। प्रियंका चौधरी को लेकर गुड न्यूज दरअसल, 'उडारियां' फेम इस एक्ट्रेस को लेकर यह खबर है कि इन्हें 'खतरों के खिलाड़ी 13' में देखा जा सकता है। प्रियंका को यह शो तो ऑफर किया ही गया है, अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कन्फर्म है कि वह इस शो का हिस्सा भी बनेंगी। इससे पहले भी इस तरह की खबरें आती रही हैं कि उन्हें शो के लिए अप्रोच किया गया है, लेकिन उनके कन्फर्मेशन की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई।खतरनाक स्टंट को दिखाते हुए बने इस शो के लिए अब तक पांच नाम सामने आए हैं। इनमें अंजलि अरोड़ा, मुनव्वर फारूकी, शिव ठाकरे, अर्चना गौतम और सौंदर्या शर्मा का नाम शामिल है। इसके अलावा सनाया ईरानी और असीम रियाज को भी ऑफर दिया गया है, लेकिन उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमिताभ बच्चन ने 35 साल बाद इस शख्स को तोहफे में दी 'शहंशाह' वाली खास जैकेट बिग बी के लिए लकी रही थी फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।शहंशाह, अमिताभ बच्चन के करियर की यादगार फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में उन्होंने एक खास तरह की जैकेट

पहनी थी, जिसकी एक बाजू स्टील के तारों से बनी हुई थी। यह जैकेट आज भी अमिताभ के फैंस के जहन में बसी हुई है। मगर, एक फैन ऐसा है, जो अब इस जैकेट को करीब से देख सकेगा और अपने पास कीमती याद के तौर पर रख सकेगा, क्योंकि बिग बी ने यह जैकेट अपने इस फैन को गिफ्ट कर दी है। इसका खुलासा उन्होंने सोशल मीडिया में खुद ही किया है। तोहफा मिलने पर जाहिर की खुशी तुर्की अललशिख नाम के ट्विटर एकाउंट से अमिताभ बच्चन की फिल्म शहंशाह की फोटो लगाकर लिखा गया था- दुनिया के बेहतरीन और दिग्गज कलाकारों में शामिल, आप सिर्फ भारत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सम्मान की बात हैं। आपने जो तोहफा भेजा है, उसके लिए बहुत शुक्रिया। यह मेरे लिए मायने रखता है। बिग बी ने इस थैंक्यू नोट को रीट्वीट करते हुए लिखा- मेरे प्यारे और सबसे विचारशील दोस्त, यह मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है कि आपको स्टील आर्म वाली जैकेट का तोहफा मिल गया है, जिसे मैंने अपनी फिल्म शहंशाह में पहना था। किसी दिन मैं आपको बताऊंगा कि मैंने इसे कैसे हासिल किया था। आपको मेरी तरफ से प्यार। शहंशाह 1988 में 12 फरवरी को रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन टीनू आनंद ने किया था। फिल्म की कहानी इंदर राज आनंद ने लिखी थी और स्क्रीनप्ले संतोष सरोज का था। इस फिल्म की कहानी का क्रेडिट जया बच्चन को दिया गया था। फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ मीनाक्षी शेषाद्रि, प्राण, कादर खान और अमरीश पुरी ने अहम किरदार निभाये थे। फिल्म में अमिताभ ने विजय कुमार श्रीवास्तव नाम का किरदार निभाया था, जो दिन में घूसखोर और डरपोक पुलिस अफसर होता है, मगर रात में विजिलांटे बन जाता है और अपराधियों की खोज खबर लेने सड़कों पर निकलता है। फिल्म का टाइटल ट्रैक 'अंधेरी रातों में...' काफी लोकप्रिय हुआ था। वहीं, बिग बी का मोनोलॉग- रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं- आज भी याद किया जाता है। शहंशाह, ऐसे वक्त में रिलीज हुई थी, जब बतौर स्टार अमिताभ बच्चन का करियर डगमगाने लगा था। उनका स्टारडम खतरे में पड़ने लगा था। मगर, इस फिल्म की सफलता ने बाजी पूरी तरह पलट दी और अमिताभ एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर राज करने लगे थे।

साउथ के बाद बंगाली सिनेमा की हिंदी पट्टी में दस्तक, रिलीज होगी जीत की 'चेंगिज'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की फिल्मों ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत की है। नतीजतन, अब तकरीबन हर मेगा बजट और स्टारकास्ट वाली तमिल, तेलुगु, मलयालम या कन्नड़ फिल्म हिंदी भाषा में भी साथ-साथ रिलीज

की जा रही है। इसकी शुरुआत राजामौली की बाहुबली- द बिगिनिंग से हो गयी थी, जिसे करण जौहर हिंदी बेल्ट में लेकर आये थे। इसके बाद फरहान अख्तर ने कन्नड़ फिल्म केजीएफ को हिंदी में प्रस्तुत किया था। पिछले साल इस ट्रेंड में उछाल आया और कई साउथ फिल्में मूल भाषा के साथ हिंदी में भी सिनेमाघरों में उतारी गयीं। 2023 में भी सिलसिला जारी है। मगर, अब इस ट्रेंड को बंगाली सिनेमा भी ज्वाइन कर रहा है और फिल्मों को हिंदी में रिलीज किया जा रहा है। बंगाली सिनेमा के सुपरस्टार जीत की फिल्म चेंगिज इस ट्रेंड को फॉलो करते हुए हिंदी में भी सिनेमाघरों में उतारी जाएगी। एए फिल्म्स और जीट्ज फिल्मवर्क्स इस हाइ ओक्टेन एक्शन फिल्म को हिंदी पट्टी में प्रस्तुत कर रहे हैं। चेंगिज में जीत के साथ शताफ फिगर, सुष्मिता चटर्जी, रोहित बोस रॉय भी अहम किरदारों में हैं। जीत ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी है। चेंगिज पीरियड फिल्म है, जिसकी कहानी 70 के दशक से लेकर 90 के दशक के मध्य तक कोलकाता में अंडरवर्ल्ड के जाल को दिखाती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।